वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 223 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली शनिवार 31 अक्टूबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

दिल्ली में रोज रिकॉर्ड तोड़ रहा कोरोना

24 घंटे में सामने आये 5891 कोरोना संक्रमण के नये मामले

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण प्रतिदिन रिकॉर्ड तोड़ रहा है। बीते तीन दिनों से लगातार संक्रमण के पांच हजार से अधिक नए मामले सामने आ रहे हैं और रोज पिछले दिन से अधिक केस दर्ज हो रहे हैं। शुक्रवार को भी यह स्थिति जारी है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, आज कुल 5891 मामले सामने आए हैं। वहीं कुल 47 लोगों की कोरोना के कारण जान गई है। इससे पहले बुधवार को दिल्ली में पहली बार पांच हजार से अधिक मामले आए थे और कुल केस की संख्या 5673 थी। गुरुवार को 5739 मामले दर्ज हुए और आज सर्वाधिक 5891 नए केस सामने आए हैं। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, 5891 नए मामलों के साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या

अब 3 लाख 81 हजार 644 तक पहुंच गई है। आज कुल 4433 लोग इलाज के बाद ठीक हुए हैं। दिल्ली में अभी तक कुल 3 लाख 42 हजार 811 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। आज हुई 47 मौतों के साथ ही कोविड19 की चपेट में आकर जान गंवाने वालों की संख्या अब 6470 हो गई है।

लगातार बढ़ रहे मामलों के कारण एक्टिव केस की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज हुई है। दिल्ली में अब कुल 32 हजार 363 सक्रिय मामले हैं। इनमें से 19 हजार 64 लोग होम आइसोलेशन में रहकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं जबिक बाकी के लोगों का अलगअलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। दिल्ली के अस्पतालों में करीब 16 हजार बेड कोविड मरीजों के लिए खाली हैं। आज दिल्ली में कुल 59 हजार 641 कोरोना सैंपल्स की जांच हुई है। इसमें से 17 हजार 58 सैंपल्स आरटीपीसीआर/सीबीनैट/ट्रूनैट माध्यम से जांचे गए जबकि 42 हजार 583 सैंपल्स की जांच रैपिड एंटीजन टेस्ट के माध्यम से हुई। अभी तक दिल्ली में कुल 46 लाख 36 हजार 365 सैंपल्स की जांच हो चुकी है। केस बढ़ने के साथ ही कंटेनमेंट जोन की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज हुई है। राष्ट्रीय राजधानी में अब कुल 3158 कंटेनमेंट जोन बनाए जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कैक्टस गार्डन का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री का गुजरात दौराः कई योजनाओं का उद्घाटन, क्रूज को हरी झंडी

(विशेष संवाददाता)

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे के पहले दिन शुक्रवार को नर्मदा जिले के केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निकट पर्यटन से जुड़ी कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और फिर उनका अवलोकन भी किया। अहमदाबाद पहुंचने के बाद मोदी सबसे पहले गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल के गांधीनगर स्थित निवास पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने गुजराती सिनेमा के सुपरस्टार नरेश कनोडिया व उनके संगीतकार भाई महेश कनोडिया को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। पटेल (92) का बृहस्पतिवार की सुबह यहां निधन हो गया था। वह लंबे समय से बीमार थे। कनोडिया बंधुओं का हाल ही में निधन हो गया था।

प्रधानमंत्री ने केशुभाई और कनोडिया बंधुओं के परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय बिताया और उन्हें सांत्वना दी। इसके बाद प्रधानमंत्री नर्मदा जिले के केवड़िया पहुंचे और वहां सबसे पहले स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निकट बने आरोग्य वन का लोकार्पण किया। उन्होंने राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के साथ इसका अवलोकन भी किया। आरोग्य वन में 15 एकड़ क्षेत्र में औषधीय गुणों से युक्त पौधे लगाए गए हैं। इसमें 380 प्रजाति के पांच लाख पेड़ हैं। योग व आयुर्वेद को ध्यान में रखते हुए इसका विकास किया गया।

मोदी इस वन क्षेत्र में बने आरोग्य कुटीर भी गए। मार्च में कोरोना वायरस महामारी फैलने के बाद से मोदी का अपने गृह राज्य गुजरात का यह पहला दौरा है। प्रधानमंत्री ने इसके अलावा एकता मॉल, बच्चों के लिए पोषक पार्क, सरदार पटेल प्राणी उद्यान में जंगल सफारी और एकता क्रूज का भी उद्घाटन किया।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के पास स्थित एक खास स्टोर एकता मॉल का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर के पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पादों को बेचने के लिए बने स्टॉल के पास कुछ समय गुजारा।

मोदी सरकार ने लगाया महंगाई का तड़का, एथनॉल की कीमतें भी बढ़ीं

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पेट्रोल में मिश्रण के लिये गन्ने से निकाले जाने वाले एथनॉल की कीमत में बृहस्पतिवार को 3.34 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि को मंजूरी दे दी। सरकार ने कार्यक्रम को तेज करने के लिए यह निर्णय लिया है।

पेट्रोलियम में एथनॉल मिलाने के कार्यक्रम से गन्ना किसानों को फायदा पहुंचने के साथ साथ पेट्रोलियम आयात पर खर्च कम करने में भी मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने दिसंबर 2020 से शुरू हो रहे आपूर्ति वर्ष के लिये गन्ना से निकाले गये एथनॉल की कीमत मौजूदा 59.48 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 62.65 रुपये प्रति लीटर कर दी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने यहां संवाददाताओं को बताया कि सीहैवी मोलासेज (खांड़) से तैयार एथनॉल की दर 43.75 रुपये से बढ़ाकर 45.69 रुपये प्रति लीटर और बीहैवी मोलासेज से बने एथनॉल की दर 54.27 रुपये से बढ़ाकर 57.61 रुपये प्रति लीटर कर दी गयी है।

भारत ईंधन की जरूरतों की पूर्ति के लिये 85 प्रतिशत आयात पर निर्भर है।

भारत वाहनों का उत्सर्जन कम करने के साथ ही पेट्रोलियम पदार्थों का आयात घटाने के लिये पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथनॉल मिलाने की अनुमति देता है। यह गन्ना किसानों को अपनी फसल बेचने का एक अन्य विकल्प भी प्रदान करता है। ईंधन विपणन कंपनियों के द्वारा भुगतान की गयी एथनॉल कीमत में लगातार वृद्धि से एथनॉल की खरीद 201314 के 38 करोड़ लीटर से बढ़कर 201920 में 195 करोड़ लीटर पर पहुंच गयी।

महान योद्धा 'विराट' को जीवनदान देगा बॉम्बे हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर । तीस साल तक देश की सेवा करने वाले युद्धपोत आईएनएस विराट को टूटने से बचाने का मामला अब बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंच गया है। मुंबई की कंपनी एनविटेक मरीन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर 3 नवम्बर को सुनवाई होगी। यही कंपनी जहाज को समुद्री संग्रहालय में बदलकर गोवा की जुआरी नदी में रखने के लिए आगे आई है। मुंबई की कंपनी और गोवा सरकार ने इस महान योद्धा को जीवनदान देने के लिए रक्षा मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र भी मांगा है लेकिन अभी तक एनओसी न मिलने पर कोर्ट का रुख किया गया है। 'ग्रांड ओल्ड लेडी' के नाम से पहचाना जाने वाला आईएनएस विराट मई 1987 में भारतीय नौसेना के परिवार का हिस्सा बना था। देश को 30 साल की सेवा देने के बाद इसे 6 मार्च, 2017 को रिटायर कर दिया गया था। इसके बाद 'विराट' को संग्रहालय या रेस्तरां में बदलकर 'जीवनदान' देने की भी कोशिशें हुईं लेकिन सारी कोशिशें तब बेकार हो गईं, जब गुजरात के अलंग स्थित श्री राम समूह ने 38.54 करोड़ रुपये की बोली लगाकर इसे अपने नाम कर लिया। इस समय यह जहाज गुजरात के भावनगर जिले के अलंग में दुनिया के सबसे बड़े जहाज विघटन यार्ड में पहुंच चुका है, जहां इसे तोड़कर ढेर में बदलने की तैयारी है। इस बीच मुंबई की कंपनी एनविटेक मरीन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड जहाज को 'जीवनदान' देकर समुद्री संग्रहालय में बदलने के लिए आगे आई है। श्रीराम ग्रुप के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश पटेल जहाज को 100 करोड़ रुपये में इस कंपनी को बेचने के लिए तैयार हुए लेकिन उन्होंने सरकार के अनापत्ति प्रमाण पत्र की मांग रख दी।

महज शादी के लिए धर्म परिवर्तन वैध नहीं

(विशेष संवाददाता)

प्रयागराज । इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि, केवल शादी के लिए धर्म परिवर्तन वैध नहीं है। विपरीत धर्म के जोड़े की याचिका को खारिज करते हुए कोर्ट ने याचियों को संबंधित मैजिस्ट्रेट के समक्ष हाजिर होकर अपना बयान दर्ज कराने की छूट दी है। याची ने परिवार वालों को उनके शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप करने पर रोक लगाने की हाई कोर्ट से मांग की थी। कोर्ट ने इस याचिका पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति एमसी त्रिपाठी ने प्रियांशी उर्फ समरीन और अन्य की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि एक याची मुस्लिम तो दूसरा हिन्दू है। लड़की ने 29 जून 2020 को हिन्दू धर्म स्वीकार किया और एक महीने

बाद 31 जुलाई को विवाह कर लिया। कोर्ट ने कहा कि रेकॉर्ड से साफ है कि शादी करने के लिए धर्म परिवर्तन किया गया है। कोर्ट ने नूरजहां बेगम केस के फैसले का हवाला दिया जिसमें कोर्ट ने कहा कि शादी के लिए धर्म बदलना स्वीकार्य नहीं है। इस केस में हिन्दू लड़की ने धर्म बदलकर मुस्लिम लड़के से शादी की थी।

सवाल था कि क्या हिन्दू लड़की धर्म बदलकर मुस्लिम लड़के से शादी कर सकती है और यह शादी वैध होगी। कुरान की हदीसो का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि इस्लाम के बारे में बिना जाने और बिना आस्था और विश्वास के केवल शादी करने के उद्देश्य से धर्म बदलना स्वीकार्य नहीं है। इस्लाम के खिलाफ है। इसी फैसले के हवाले से कोर्ट ने मुस्लिम से हिन्दू बनकर शादी करने वाली याची को राहत देने से इनकार कर दिया है।

दंगों ने देश विभाजन की याद को ताजा कर दिया: कोर्ट

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर । सीएए और एनआरसी को लेकर फरवरी महीने में उत्तरपूर्वी दिल्ली में भड़के साम्प्रदायिक दंगों के एक मामले पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि इन दंगों ने देश के विभाजन के समय हुए नरसंहार की याद को ताजा कर दिया। अदालत ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

कड़कड़डूमा स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव की अदालत ने एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करते हुए कहा कि दंगे एक आग की तरह होते हैं, जोकि अगर किसी जंगल में लग जाए तो वह तेजी से फैलती है। बेशक इस बार दिल्ली के एक हिस्से में यह दंगे हुए, लेकिन भारी जानमाल का नुकसान हुआ। अगर इस बार इन दंगों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो निश्चित तौर पर दंगों की आग दूसरे क्षेत्रों को अपनी चपेट में लेगी और ना जाने और कितने बेकसूर इनकी चपेट

में आएंगे। इस मामले में आरोपी ने अपनी पत्नी की बीमारी का हवाला देते हुए अग्रिम जमानत की मांग की थी, लेकिन अदालत ने कहा कि यह अपराध इतना भयावह है कि इसके सामने सभी दलीलें बौनी साबित होती हैं। जिस समय दंगे फैलाए जा रहे थे तब लोगों को अपने परिवार या अन्य रिश्तों की परवाह क्यों नहीं थी। अब जब खुद पर कानूनी शिकंजा कसने की बारी आई तो परिवार, पत्नी और ना जाने किनकिन रिश्तों की याद आरोपियों का आ रही है।

अदालत ने यह भी कहा कि उन लोगों के दर्द को समझने का प्रयास भी करना चाहिए, जिन्होंने कोई कसूर ना होते हुए भी अपने परिवार के सदस्यों या फिर दुकान, मकान या लूट जैसी मार का सहा है। यह पूरा घटनाक्रम उस समय को याद दिलाता है जब देश का विभाजन हुआ था और दो समुदायों की तरफ से एक दूसरे को भारी से भारी नुकसान पहुंचाने का जुनून था।

अदालत ने कहा कि बेशक उस समय को प्रत्यक्ष देखने वाले लोग बहुत कम होंगे, लेकिन उस दर्द को अब तक महसूस किया जा सकता है। गौरतलब है कि नागरिकता कानून के समर्थकों और विरोधियों के बीच संघर्ष के बाद 24 फरवरी को उत्तर पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद, मौजपुर, बाबरपुर, घोंडा, चांदबाग, शिव विहार, भजनपुरा, यमुना विहार इलाकों में साम्प्रदायिक दंगे भड़क गए थे। इस हिंसा में कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हो गए थे। साथ ही सरकारी और निजी संपत्ति को भी काफी नुकसान पहुंचा था।

फ्रांस के खिलाफ मुस्लिमों में बढ़ा आक्रोश, दुनियाभर में सड़कों पर उतरे

दुबई। पाकिस्तान, लेबनान से लेकर फलस्तीनी क्षेत्र समेत कई अन्य जगहों पर हजारों मुसलमान फ्रांस के खिलाफ प्रदर्शन के लिए शुक्रवार को सड़कों पर उतरे। फ्रांस के राष्ट्रपति ने पैगंबर के कार्टून छापने के संबंध में अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा का संकल्प लिया है जिसके बाद से मुस्लिम जगत में उबाल आ गया है। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में प्रदर्शन हिंसक हो गया जब करीब 2000 लोगों ने फ्रांस के दूतावास की ओर जाने की कोशिश की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितरबितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठियां चलाई।मुल्तान में प्रदर्शनकारियों ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों का पुतला जलाया। यरूशलम में सैकड़ों फलस्तीनी ने अल अक्सा मस्जिद के बाहर मैक्रों के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान नारे लगाए।

पश्चिम तुर्की में जोरदार भूकंप कई इमारतें जमींदोज

(विशेष संवाददाता)

अंकारा । एजियन सागर में शुक्रवार के आए शक्तिशाली भूकंप ने तुर्की और यूनान को हिलाकर रख दिया। तुर्की के आपदा और आपात प्रबंधन विभाग ने कहा कि भूकंप का केंद्र एजियन सागर में 16.5 किलोमीटर नीचे था। भूकंप की तीव्रता 6.6 दर्ज की गई है। पश्चिमी तुर्की के इजमिर शहर में भूकंप से भारी तबाही हुई है। शुरुआती खबरों में कई लोगों के मारे जाने और सैकड़ों के घायल होने की सूचनाएं हैं। जिस तरह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आनी शुरू हुई हैं, उससे अनुमान लगाया जा सकता है कि बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ है। राहत और बचाव कार्य शुरू किया है। ट्विटर पर तुर्की के कई आम लोग और पत्रकार तस्वीरें और वीडियो साझा कर रहे हैं। किसी वीडियो में ऊंची इमारतें

भरभरा कर गिरती दिख रही हैं तो कई तस्वीरों में मलबा ही मलबा दिख रहा है। कुछ वीडियो तो बेहद डराने वाले हैं, जिनमें दिख रहा है कि भूकंप के बाद समुद्र के किनारे सूख गए, पानी गायब हो गया। बताया जा रहा है कि सुनामी और बाढ़ भी आई है। यूरोपीय मूध्यसागर भूकंप विज्ञान केंद्र ने कहा कि शुरुआत में भूकंप की तीव्रता 6.9 थी और इसका केंद्र यूनान के उत्तरउत्तरपूर्व में सामोस द्वीप में था। तुर्की की मीडिया में मध्य इजमिर में बहुमंजिला इमारत का मलबा दिखाया गया है। इसके अलावा बचावकर्मी भी तैनात दिखाई दे रहे हैं। मध्य इजमिर में कई जगह धुंआ उठने की तस्वीरें भी सामने आई हैं।इजमिर के गर्वनर ने कहा है कि हताहतों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली। तुर्की की मीडिया ने कहा है कि भूकंप एजियन और मरमरा दोनों क्षेत्रों में महसूस किया गया है।

सक्रिय मामले 6 लाख से नीचे रिकवरी रेट 91 प्रतिशत के पार

24 घंटे में सामने आये 48,648 कोरोना संक्रमण के नये मामले, 57,386 संक्रमित हुए डिस्चार्ज

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर । पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामलों की तुलना में ठीक होने वाले लोगों की संख्या अधिक होने के कारण देश में इसके सक्रिय मामलों की संख्या छह लाख के नीचे पहुंच गयी तथा रिकवरी रेट 91 फीसदी से अधिक हो गया।

देश में गत 21 सितंबर को 10.03 लाख सक्रिय मामले थे। इसके बाद से इसकी संख्या में लगातार गिरावट आ रही है और अब छह लाख से नीचे आ गयी है। लगातार दो दिनों की तेजी के बाद संक्रमण के दैनिक मामलों में मामूली कमी आयी है। देश के विभिन्न हिस्सों में एक दिन में कोविड19 के 48,648 नये मामले सामने आये। एक दिन पहले गुरुवार को 49,881 मामले आये थे, बुधवार को 43,843 यह संख्या थी और मंगलवार को 36,470 नये मामले सामने आये थे। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना से 57,386 लोग स्वस्थ हुए, जिससे इस महामारी से ठीक होने वालों की दर 91.15 प्रतिशत हो गयी है। कोरोना से अब तक करीब 80.89

लाख संक्रमित हुए हैं, जिनमें से 73,73 लाख लोग स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं इस दौरान 563 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 1.21 लाख हो गयी। स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ने से 9,301 घटकर संक्रिय मामले 5,94,386 रह गये हैं। स्वस्थ होने वालों की दर बढ़कर 91.15 प्रतिशत और सक्रिय मामलों की दर 7.35 प्रतिशत रह गयी है, जबकि मृत्यु दर 1.50 फीसदी है। इस महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामलों में 2,137 की कमी आने से इनकी संख्या घटकर 1.28 लाख पर आ गयी है, जबकि इस दौरान 156 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 43,710 हो गयी है। वहीं इस दौरान 7,883 लोग स्वस्थ हुए हैं, जिससे इस महामारी से निजात पाने वाले लोगों की संख्या 14.95 लाख हो गयी है।

कमलनाथ पर चला चुनाव आयोग का चाबुक स्टार प्रचारकों की लिस्ट से नाम हटाया

विजयवर्गीय को भी चेतावनी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में नेताओं का एकदूसरे पर आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। वार पलटवार के बीच नेता अक्सर मर्यादा की सीमा रेखा तोड़ दे रहे हैं। वहीं विवादित बयानों को लेकर निर्वाचन आयोग भी सख्त हो गया है। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं दिग्गज कांग्रेस नेता कमल नाथ पर सख्त कार्रवाई की। आयोग ने कमल नाथ के स्टार कैंपेनर का दर्जा रद कर दिया है। यही नहीं चुनाव आयोग ने कैलाश वियजवर्गीय को भी आचार संहिता के उल्लंघन पर चेतावनी दी है... निर्वाचन आयोग ने यह भी कहा है कि स्टार कैंपेनर का दर्जा रद किए जाने के बाद अब आगे वह जिस चलते की गई है। अब आगे कमल नाथ जिस प्रत्याशी के लिए प्रचार करेंगे उनकी यात्रा और ठहरने से

विधानसभा में प्रचार करेंगे उनके उस चुनावी अभियान का पूरा खर्च संबंधित उम्मीदवार के खाते में जाएगा। कमल नाथ के खिलाफ यह कार्रवाई उनके बार बार आचार संहिता के नियमों की अनदेखी के लेकर तमाम खर्च उम्मीदवार के चुनावी खर्च में जुड़ेगा। बता दें कि हाल ही में कमलनाथ ने भाजपा प्रत्याशी इमरती देवी पर अमर्यादित बयान दिया था। इसे लेकर भाजपा ने चुनाव आयोग में शिकायत की थी। वहीं महिला अयोग ने चुनाव आयोग से कमल नाथ पर उचित कार्रवाई करने की अपील की थी। आयोग ने इस मामले में कमल नाथ को नोटिस जारी कर 48 घंटे के भीतर जवाब मांगा था। बीते दिनों आयोग ने कहा था कि कमल नाथ ने भाजपा की महिला प्रत्याशी के खिलाफ अमर्यादित शब्द का इस्तेमाल कर आचार संहिता तोड़ी है। राजनीतिक दल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1971 के तहत चुनाव के लिए स्टार प्रचारक घोषित करते हैं। सामान्यतः दल ऐसे नेताओं को इसमें शामिल करते हैं, जो मतदाताओं को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। स्टार प्रचारकों की सूची चुनाव आयोग को दी जाती है। कमल नाथ का नाम कांग्रेस के 30 स्टार प्रचारकों की सूची में तीसरे नंबर पर था।

एक नजर

बवाना में 12 राउंड फायरिंग चार बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। बवाना इलाके में गुरुवार रात पुलिस ने मुठभेड़ के बाद चार बदमाशों को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में दोनों तरफ से 12 राउंड गोलियां चलीं। इस दौरान पुलिस की गोली से दो बदमाश घायल हो गए। गिरफ्तार सभी बदमाश गौरव मोंटी गिरोह से जुड़े हैं। इन पर हत्या, लूट और फिरौती के दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। कार्यवाहक डीसीपी जितेंद्र मीणा ने बताया कि नांगल ठाकरान गांव के पास मोंटी गिरोह के बदमाशों की आने की सूचना मिली थी। इस गिरोह के बदमाश अक्सर हथियारों से लैस रहते हैं, लिहाजा इनकी गिरफ्तारी के लिए एसआई गजेंद्र माथुर और एसआई रिंकू के नेतृत्व में दो टीमें बनाई गईं। डीसीपी ने बताया कि सूचना के आधार पर टीम तैनात हो गईं। रात करीब 12 बजे इलाके में सफेद वाहन में बदमाश आते हुए दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रोका तो वे भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर जिप्सी को बदमाशों की कार के आगे खड़ा कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुद को घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग करनी शुरू कर दी।

उपराज्यपाल ने डीटीसी की बसों में 40 यात्रियों तक को दी यात्रा की मंजूरी

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने डीटीसी की बसों में 40 यात्रियों तक को बैठकर यात्रा करने की मंजूरी देने पर दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल का आभार जताया है और कहा है कि इससे दिल्ली के बस यात्रियों को राहत मिलेगी। बिधूड़ी ने आज जारी एक बयान में कहा है कि उन्होंने उपराज्यपाल को एक पत्र भेजकर यह आग्रह किया था कि कोरोना महामारी की वजह से डीटीसी की बसों में अभी महज 17 यात्रियों को ही यात्रा एकबार में यात्रा की अनुमति दी गई है। यह संख्या बहुत कम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के पास पहले ही बसों की कमी है। परिणामस्वरूप बस स्टॉपों पर लंबी लंबी कतारें लगी रहती हैं और लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बिधूड़ी ने बताया कि दिल्ली के उपराज्यपाल महोदय ने उन्हें यह जानकारी दी है कि उन्होंने डीटीसी की बसों में अब 40 यात्रियों तक को यात्रा की अनुमति दे दी है। इससे यात्रियों को सुविधा होगी।

पदाधिकारियों का अभिनन्दन किया गया घोंडा में

नई दिल्ली । निगम पार्षद दुर्गेश तिवारी निगम पार्षद की अध्यक्षता में भारतीय जनता पार्टी घोडा मंडल के सभी नवनियुक्त पदाधिकारी एवं निवर्तमान पदाधिकारियों का सम्मान समारोह अरविंद नगर कृष्ण मंदिर एवं सार्वजनिक धर्मशाला में किया गया। कार्यक्रम का संचालन अमित शर्मा महामंत्री घोंडा मंडल ने किया तथा कार्यक्रम के संयोजक सूर्य कान्त तिवारी पूर्व जिला मंत्री उत्तर पूर्वी दिल्ली थे। इस मौके पर दुर्गेश तिवारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की नींव होता है कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरि है । इस मौके पर उपस्थित भाजपा नेता सूर्य कान्त तिवारी ने कहा कि आगामी नगर निगम चुनाव एक चुनौती है जिसका सामना यहां बैठे सभी कार्यकर्ता मिलकर इस चुनाव को लड़ेंगे और भारतीय जनता पार्टी की जीत को सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष दिनेश निवर्तमान अध्यक्ष नरेंद्र बेलवाल व महामंत्री सतीश राघव पूर्व महामंत्री जयपाल चैहान जितेंद्र छजलाना उपाध्यक्ष नरेश गर्ग नित्यानंद गैरोला रेनू शर्मा सुरेश चंद्र शीतल शुक्ला कमलेश कश्यप तथा अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

एम्स ने कोरोना को लेकर बढ़ रही लापरवाही पर जताई चिंता, कहा- प्रदूषण ने बढ़ाई टेंशन

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली । कोरोना वायरस को लेकर आमजनों द्वारा बरती जा रही लापरवाही पर एम्स निदेशक रणदीप गुलेरिया ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने साफ किया है कि कोरोना खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि आज राजधानी में लोग दोहरी मार झेलने को विवश है।

एक पहले से कोरोना वायरस के कारण लोगों की परेशानी थमने का नाम नहीं ले रही है तो वहीं उपर से प्रदूषण के कारण भी चिंता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के चलते आज कोरोना हवा में ज्यादा देर तक हवा में तैरता है। जो घातक है। उन्होंने कहा कि अभीभी कोरोना वायरस से बचाव के लिये एक ही मंत्र है मास्क पहनना,सोशल डिस्टेसिंग का पालन करना। उन्होंने कहा कि त्योहारों के समय में जब जरुरत हों तभी घर से बाहर निकलें।

उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि आज युवा कोरोना को हल्के में ले रहे है। जिस कारण जब वे घर जाते है तो बुजुर्गों के लिये परेशानी पैदा कर सकते है। हालांकि उन्होंने कोरोना को लेकर तीसरी लहर की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि फिलहाल दूसरी लहर चल रही है। अभी देखना होगा कि त्योहारों में कोरोना का केस कितने आते है। यदि कम हुए तो अच्छी बात है। एम्स निदेशक ने कहा कि हम सबको सावधानी बरतनी चाहिये। उन्होंने कहा कि जब तक नई वैक्सीन नहीं आ जाती है तब तक लापरवाही नहीं बरतनी चाहिये। उन्होंने इस दावे को खारिज कर दिया कि इन्फ्लूएंजा और फ्लू की वैक्सीन लगवाने से कोरोना से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्चुअली मुलाकात पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने 26 अक्टूबर को पराली जलाने पर रोक के लिए उठाए गए कदमों की निगरानी के लिए रिटायर जस्टिस की कमिटी बनाने के आदेश को फिलहाल स्थगित कर दी थी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट को केंद्र सरकार ने बताया था कि पराली जलाने से रोकने और एयर पॉल्यूशन की समस्या से निपटने के लिए सरकार एक समग्र कानून लाने जा रही है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट को उक्त जानकारी दी थी।

कोविड-19 के खिलाफ मास्क को ही टीका मानना होगा

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर । दिल्ली में पिछले दो दिनों से कोविड19 के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी के बीच स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने मास्क पहनने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वायरस का टीका उपलब्ध होने तक लोगों को मास्क को ही %टीका समझना चाहिए । मंत्री ने कहा कि अगर हर कोई मास्क पहने तो कुछ हद तक वायरस के प्रसार को रोका जा सकता है । लॉकडाउन की तुलना में मास्क पहनने के ज्यादा फायदे हैं। दिल्ली में पिछले दो दिनों में संक्रमण के 5,000 से ज्यादा मामले आए हैं। बुधवार को संक्रमण के 5673 और बृहस्पतिवार को 5739 मामले आए। जैन ने पीटीआई भाषा से कहा, लोगों को टीका उपलब्ध होने तक मास्क को ही टीका मानना चाहिए। अगर हर कोई मास्क पहने तो वायरस के प्रसार को बहुत

हद तक रोका जा सकता है । लॉकडाउन की तुलना में मास्क के ज्यादा फायदे हैं। दिल्ली सरकार ने और सघन तरीके से संपर्क का पता लगाने के संबंध में एक नयी रणनीति बनायी है और शहर में संक्रमण के मामलों में तेज वृद्धि के लिए जांच बढ़ाने को भी एक वजह बताया है। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मामलों में बढोतरी के लिए त्योहार के दौरान लोगों के घरों से बाहर निकलने, ज्यादा मेल जोल और वायु गुणवत्ता खराब होने को जिम्मेदार ठहराया है। दिल्ली में संक्रमण दर भी बृहस्पतिवार को 9.55 प्रतिशत दर्ज किया गया और संक्रमितों की कुल संख्या 3.75 लाख हो गयी। शहर में 30,952 मरीजों का उपचार चल रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस से 27 और लोगों की मौतें होने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 6,423 हो गयी है।

दिल्ली सरकार के कर्मचारियों को एलटीसी योजना का लाभ उठाने के लिए दिल्ली के डीलरों से खरीद करनी होगी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर। दिल्ली सरकार के जो कर्मचारी छुट्टीयात्रा किराए भत्ते (एलटीसी) नकद कैश वाउचर योजना का लाभ उठाना चाहते हैं उन्हें शहर स्थित एवं पंजीकृत डीलरों से सामान एवं सेवाएं खरीदनी होंगी। एक अधिकारी ने बताया कि यह कदम दिल्ली सरकार का जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी करेगा। वित्त विभाग ने आदेश उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की मंजूरी के बाद जारी किया जो वित्त का प्रभार भी संभालते हैं। विभाग ने कहा, यह सुनिश्चित करना होगा कि विशेष नकद पैकेज का लाभ उठाते समय, सामान और सेवाओं को दिल्ली स्थित और पंजीकृत डीलर से खरीदा जाए। यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावी होगा।'' दिल्ली सरकार के कर्मचारी कल्याण संघ के महासचिव उमेश बत्रा ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह त्यौहारी मौसम के दौरान उपभोक्ता मांग बढ़ाने के साथ ही अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगा। दिल्ली सरकार के दो लाख कर्मचारी हैं। दिल्ली सरकार ने 22 अक्टूबर को एक बयान में कहा

था कि सरकार ने फैसला किया है कि एलटीसी के समतुल्य नकदी कर्मचारियों को प्रतिपूर्ति के माध्यम से दी जाएगी बशर्ते कि कर्मचारी ने 201821 के खंड में एलटीसी के बदले इसका विकल्प चुना हो। बयान में कहा गया, बिजनेस क्लास विमान किराये के योग्य कर्मचारी 36,000 रुपये, इकोनॉमी श्रेणी के योग्य कर्मचारी 20,000 रुपये पाने के हकदार होंगे। रेल किराया पाने के योग्य कर्मचारी को 6,000 रुपये एलटीसी के तौर पर मिलेगा।'' दिल्ली सरकार का यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा गत 12 अक्टूबर को यह घोषणा करने के बाद आया था कि वह अपने कर्मचारियों को एलटीसी के एवज में नकद वाउचर देगी। कर्मचारी इन वाउचर का इस्तेमाल ऐसे उत्पाद खरीदने के लिए कर सकते हैं जिन पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत या अधिक है।

आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर तक बढ़ी

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर । सरकार ने वित्त वर्ष 201920 के आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2020 किए जाने की अधिसूचना शुक्रवार को जारी कर दी। अधिसूचना के मुताबिक व्यक्तिगत आयकरदाता 31 दिसंबर तक अपना आयकर रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। वहीं जो लोग ऑडिट कराने के बाद आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं उनके लिए इसकी आखिरी तारीख 31 जनवरी 2021 होगी। नांगिया एंडरसन एलएलपी में सहायक संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि सरकार ने आयकर रिटर्न और ऑडिट रपट दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। लेकिन अभी इस बात को लेकर अस्पष्टता है कि क्या यह छूट उन कॉरपोरेट करदाताओं के लिए भी उपलब्ध है जिनके कर का ऑडिट होता है। कोविड19 के दौर में करदाताओं को राहत देने के लिए सरकार मई के बाद से बारबार आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि को आगे खिसका रही है।

बढ़ते प्रदूषण का दोष भी दूसरे राज्यों पर डाल रही है केजरीवाल सरकारः आदेश गुप्ता

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर । यमुना नदी में अमोनिया का स्तर 3 पीपीएम तक पहुंचने की वजह से सोनिया विहार और भागीरथी जल शोधन संयंत्र में पानी को साफ करने का कार्य प्रतिकूल रूप से प्रभावित है। इससे आज पूर्वी, उत्तरपूर्वी और दक्षिणी दिल्ली के तमाम क्षेत्रों में पानी की सप्लाई प्रभावित है। यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दिल्ली सरकार और दिल्ली जल बोर्ड को जिम्मेदार ठहराते हुए, प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रमुख नवीन कुमार भी उपस्थित थे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड जिसके मुखिया मुख्यमंत्री केजरीवाल हैं, उन्हें भी ज्ञात है कि लॉकडाउन के दौरान दिल्ली की हवा व पानी साफ हो गयी थी, परन्तु आज वायु व जल प्रदूषण के कारण दिल्ली की स्थिति बहुत खराब हो गयी

है, लोगों को स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। फिर भी, केजरीवाल सरकार इस खतरे से दिल्ली के लोगों को बचाने व राहत देने के लिए कुछ नहीं कर रही है। आदेश गुप्ता ने कहा कि जल शोधन और प्रदूषण नियंत्रण के लिए केजरीवाल सरकार ने जो वादे किए थे उसे पूरा नहीं किया जिसका खामियाजा दिल्ली के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को प्रदूषण नियंत्रण के लिए जो प्रभावी कदम उठाने चाहिए थे वह नहीं उठाए गए। लॉकडाउन के दौरान केजरीवाल सरकार के पास भरपूर समय था कि वह कागजों पर की गई बातों को जमीन पर लागू कर सकें लेकिन किया नहीं क्योंकि केजरीवाल सरकार दिल्लीवासियों के हितो में काम करने की मंशा नहीं रखती है। लॉकडाउन समाप्त होने पर जब हरियाणा की फैक्ट्रियां शुरू हुई तब यमुना का पानी साफ था लेकिन जैसे ही दिल्ली में जनजीवन सामान्य होने लगा तो यमुना का पानी भी गंदा होने लगा।

सैनिक स्कूलों में 2021-2022 से ओबीसी आरक्षण लागू होगा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर । रक्षा सचिव अजय कुमार ने शुक्रवार को कहा कि सैनिक स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 20212-22 से अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) के लिए 27 प्रतिशत सीटें आरक्षित रहेंगी। रक्षा मंत्रालय के तहत कार्य करने वाली सैनिक स्कूल सोसाइटी देश में ऐसे 33 आवासीय विद्यालयों का प्रबंधन करती है।

कुमार ने ट्विटर पर कहा, वर्ष 2021-22 से सैनिक स्कूलों में ओबीसी आरक्षण लागू किया जाना है।''

उन्होंने 13 अक्टूबर के उस परिपत्र की तस्वीर पोस्ट की जो देशभर के सभी सैनिक स्कूलों के प्राचार्यों को भेजा गया था। परिपत्र में कहा गया है कि किसी सैनिक स्कूल में 67 प्रतिशत सीटें उस राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं, जिसमें स्कूल स्थित है और शेष 33 प्रतिशत उन लोगों के लिए आरक्षित हैं जो उस राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के बाहर से आते हैं।

इन दो सूचियों को सूची ए' और सूची बी' कहा जाएगा। परिपत्र में कहा गया है कि प्रत्येक सूची में 15 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं, 7.5 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए हैं और 27 प्रतिशत सीटें गैरक्रीमी लेयर ओबीसी के लिए हैं। इसमें कहा गया है कि यह आरक्षण नीति शैक्षणिक सत्र 2021-22 से लागू होगी।

घर में अकेली नाबालिग को बंधक बना 3 दिन तक दुष्कर्म करता रहा पड़ोसी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर । दिल्ली के पालम गांव में एक 14 साल की नाबालिग लड़की को अकेला देखकर पड़ोसी ने उसके घर में बंधक बना लिया और दुष्कर्म किया। जब पीड़िता के चाचा चाची गांव से वापस लौटे तो उसने सारी आपबीती बताई। इसके बाद पुलिस में शिकायत देकर केस दर्ज कराया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी की पहचान 19 साल के अजय के तौर पर हुई है, जो साद नगर इलाके में किराये पर रहता है। उसके पड़ोस में ही पीड़िता भी अपने चाचाचाची के साथ किराये पर रहती है। वह मूलरूप से उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले की रहने वाली है। कुछ दिन पहले उसके चाचाचाची गांव चले गए थे, जिसके चलते वह घर पर अकेली थी। उसे अकेला पाकर पड़ोसी घर में घुस आया और बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। इस बारे में किसी को कुछ भी बताने पर वह लड़की को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। आरोपी ने तीन दिन तक इस तरह से दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

घटना के बाद डरीसहमी पीड़िता ने इस बारे में किसी को कुछ नहीं बताया, लेकिन नवरात्र पर गांव गए उसके चाचाचाची जब वापस आए तो उसने उन्हें सारी आपबीती बता दी। इसके बाद पुलिस में घटना की शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने पीड़िता की मेडिकल जांच कराई और दुष्कर्म की पुष्टि होने के बाद केस दर्ज कर लिया। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जेएनयू प्रोफेसर सुचित्रा सेन की प्राथमिकी दर्ज करने की मांग खारिज

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (वेबवार्ता)। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) हिंसा मामले में प्रोफेसर सुचित्रा सेन की प्राथमिकी दर्ज करने की मांग संबंधी याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया है। पांच जनवरी को नकाबपोश लोगों द्वारा किए गए हमले में शिकायतकर्ता प्रोफेसर भी जख्मी हुई थीं। अदालत ने कहा कि इस मामले में पहले से प्राथमिकी दर्ज है। इस घटना को लेकर अलग से मुकदमा दर्ज करने की जरूरत नहीं है। पटियाला हाउस स्थित मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट पवन सिंह राजावत की अदालत ने दिल्ली पुलिस द्वारा इस मामले को लेकर पेश की गई जांच रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया है। पुलिस की तरफ से अदालत को बताया गया कि पेरियार हॉस्टल में एक नकाबपोश भीड़ घुसी थी, जो हिंसक हो गई थी। इस घटना को लेकर तत्काल मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। इस पर अदालत ने कहा कि किसी एक अपराध के लिए एक ही प्राथमिकी दर्ज की जाती है। एक अपराध के लिए दो या अधिक मुकदमे दर्ज करना कानून संगत नहीं है। अदालत ने कहा कि जब यह घटना घटित हुई तो जाहिर तौर पर बड़ी संख्या में छात्र व अन्य लोग जख्मी हुए होंगे। लेकिन यह संभव नहीं है कि हर छात्र या व्यक्ति की शिकायत पर अलग प्राथमिकी दर्ज की जाए। पुलिस की तरफ से यह भी बताया कि गया विश्वविद्यालय की संपति को भी नुकसान पहुंचाया गया। सीसीटीवी कैमरे समेत तमाम सामान को तोड़ा गया। पुलिस हर पहलु से मामले की जांच कर रही है।

एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन 29 नवंबर को

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर । दुनिया के कुछ शीर्ष धावकों के 29 नवंबर को यहां होने वाली प्रतिष्ठित एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन में हिस्सा लेने की उम्मीद है। आयोजकों ने इस रेस को एलीट धावकों के लिए कोविड19 मुक्त सुनिश्चित करने के लिए जैविक रूप से सुरक्षित माहौल तैयार करने का वादा किया है। अंतरराष्ट्रीय और भारत के शीर्ष धावक यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में रेस शुरू करेंगे जबकि दुनिया भर के एमे योर धावक एक्सक्लूसिव दिल्ली हाफ मैराथन मोबाइल ऐप के जरिए उनसे जुड़ेंगे। एमे योर धावक अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी जगह से रेस में हिस्सा ले सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय मैराथन एवं लंबी दूरी की रेसों के संघ (एआईएमएस) से मान्यता प्राप्त विश्व एथलेटिक्स की गोल्ड लेबल

की इस रेस की कुल इनामी राशि दो लाख 33 हजार 270 डॉलर है। कोविड19 के दौरान यह भारत में होने वाली शुरुआती वैश्विक खेल स्पर्धाओं में से एक है। इस हाफ मैराथन के दौरान भारत सरकार द्वारा जारी अनिवार्य सुरक्षा नियमों का पालन किया जाएगा। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि खेल हमेशा से आशा का प्रतीक रहा है और वह इस प्रतियोगिता को लेकर उत्सुक हैं। रीजीजू ने विज्ञप्ति में कहा, हम इस प्रतियोगिता को अपना पूरा समर्थन देते हैं तो भारत का गौरव है और अपने राजधानी में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ धावकों का स्वागत करते हैं। मैं प्रत्येक व्यक्ति को प्रोत्साहित करता हूं कि वे सुरक्षा के साथ इस रेस में हिस्सा लें।'' इस बार एमे योर प्रतिभागियों के पास 25 से 29 नवंबर तक हाफ मैराथन ऐप के जरिये रेस में हिस्सा लेने का मौका होगा। प्रतिभागी की सहूलियत के अनुसार उसे इस दौरान किसी भी समय रेस पूरी करने की स्वीकृति होगी। प्रतियोगिता की वेबसाइट एयरटेलदिल्लीहाफमैराथन.प्रोकैम.इन के जरिए शुक्रवार शाम सात बजे से 27 नवंबर तक हाफ मैराथन, 10 किमी रन और ग्रेट दिल्ली रन (पांच किमी) में पंजीकरण कराया जा सकता है।

दिल्ली के ठेकेदार को सीतापुर से मुक्त कराया गया, तीन गिरफ्तार

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर । दिल्ली पुलिस ने अगवा किये गये यहां के एक ठेकेदार को उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले से मुक्त कराया है और इस सिलसिले में वहां से तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों में एक व्यक्ति ठेकेदार के साथ काम करता था और उसने ही उसके साथ भुगतान संबंधी विवाद होने पर उसे अगवा करने की योजना बनायी। पुलिस के अनुसार तीनों की पहचान सीतापुर निवासी इरफान अली (27), अजीज अली (35) और बबलू (24) के रूप में हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार यहां मालवीय नगर की एक महिला ने पुलिस में 24 अक्टूबर को शिकायत दर्ज करायी थी कि किसी काम के

सिलसिले में 23 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी गये उसके पति रमेश चंद्र को अज्ञात व्यक्तियों ने अगवा कर लिया और उन्हें रिहा करने के लिए चार लाख रूपये की फिरौती मांगी है। उसके बाद मालवीय नगर थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि जांच से खुलासा हुआ कि चंद्र को पत्थर के काम संबंधी किसी सौदे को अंतिम रूप देने के लिए इरफान ने लखीमपुर खीरी आने को कहा था। उन्होंने बताया कि उससे पहले इरफान का किसी भुगतान को लेकर चंद्र से विवाद हुआ था। पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने कहा, तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस सीतापुर पहुंची और उसने बुधवार को चंद्र को जंगल से मुक्त कराया एवं आरोपियों को गिरफ्तार किया।''

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी वेब वार्ता®
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

राशन कार्ड की सूची से फिर जुड़ेंगे कटे नाम

नई दिल्ली । लॉकडाउन में घर गए लोगों के राशन कार्ड की सूची से कटे नाम दोबारा जुड़ेंगे। खाद्य आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। मंत्री का कहना है कि लॉकडाउन के चलते लोग घर चले गए थे। वह राशन लेने नहीं आ पाए। इसलिए उनका नाम दोबारा जोड़ा जाएगा। सरकार ने विभागीय अधिकारियों से तीन दिन में एक्शन टेकन रिपोर्ट देने को कहा है। कोविड संक्रमण के दौरान मार्च के अंत में लॉकडाउन लागू हो गया था। उसके बाद बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर दिल्ली से गांव चले गए। लॉकडाउन बढ़ा तो वह वहीं रुक गए। नियम कहता है कि अगर कोई लगातार तीन महीने तक राशन लेने नहीं आता है तो उसके नाम राशन कार्ड की सूची से काटने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। उसे चैथे महीने से राशन नहीं मिलता है। दिल्ली में 18 लाख से अधिक राशन कार्ड धारक हैं। अब जब लॉकडाउन खत्म होने के बाद लोग वापस दिल्ली लौट रहे हैं। वह दोबारा राशन के लिए गए तो उनका नाम राशन कार्ड की सूची से कट गया था। सरकार को इसे लेकर शिकायतें मिल रही थीं। बड़ी संख्या में लोग राशन लेने में असमर्थ थे, जिसे देखते हुए सरकार ने दोबारा से ऐसे लोगों के नाम सूची में जोड़ने का आदेश दिया है।

चालान कटा तो पुलिसकर्मी से मशीन ले भागा बुलेट सवार

नई दिल्ली । मंडावली इलाके में एक शख्स बुलेट पर पीछे एक महिला को बैठाकर बिना हेलमेट के जा रहा था। इस पर यातायात पुलिस ने चालान काट दिया, इससे नाराज होकर बुलेट सवार पुलिसकर्मी से ईचालान मशीन लेकर भाग गया। हालांकि, पुलिसकर्मियों ने पीछा कर कुछ दूरी पर उसे दबोच लिया। आरोपित की पहचान गांधी नगर निवासी शंतम खजूरिया के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मंगलवार को शाम को यातायात पुलिस के एएसआइ कैलाश चंद मदर डेरी टीप्वांइट के पास ड्यूटी पर तैनात थे। उसी दौरान उन्हें एक बुलेट पर एक शख्स महिला के साथ बिना हेलमेट के आता हुआ दिखाई दिया। पुलिसकर्मी ने उन्हें रोककर कागजात मांगे। इतना सुनते ही आरोपित पुलिसकर्मी से बदसलूकी करने लगा। पुलिसकर्मी उसका चालान करने लगे तो आरोपित ने कहा उसका ऑनलाइन चालान कर दो, इसपर पुलिसकर्मियों ने कहा कि बिना हेलमेट का चालान एक हजार रुपये का है। अगर नकद भुगतान नहीं होता है, तो ड्राइविंग लाइसेंस और आरसी जमा करानी होती है। इतना सुनते ही आरोपित ने सिपाही बसंत के हाथ से ईचालान मशीन छीनकर भाग गया। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया और कुछ ही दूरी पर जाकर उसे पकड़ लिया। तभी आरोपित ने मशीन को जमीन पर दे मारा, जिससे मशीन टूट गई। पुलिस ने लूट सहित अन्य धाराओं में आरोपित के खिलाफ केस दर्ज किया है।

दिल्ली के निगम पार्षदों की खुली पोल, कईयों ने सदन में नहीं उठाए एक भी सवाल

प्रजा फाउंडेशन का दावा, जारी की निगम में पार्षदों की कार्यप्रणाली पर अपनी रिपोर्ट

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । दिल्ली नगर निगम के पार्षदों के वर्तमान कार्यकाल (2017-22) के लिए अपना तीसरा रिपोर्ट कार्ड जारी किया, जो दिल्ली में स्थानीय निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के कार्य प्रदर्शन और सुधार के क्षेत्रों पर विस्तार से प्रकाश डालता है। स्थानीय शासन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक पार्षदों द्वारा निभाई जाती है, जो शहरों में विभिन्न वार्डों में जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हैं। कोविड 19 महामारी की वर्तमान स्थिति में, शहरों में स्थानीय शासन की भूमिका और उसका महत्व और अधिक स्पष्ट हुआ है। कोविड 19 महामारी में, जमीनी स्तर पर राहत और योगदान के मामले में, भारत के कई शहरों में पार्षद सबसे आगे रहे है। परन्तु दिल्ली में स्थानीय शासन की वर्तमान संरचना को देखते हुए, पार्षदों के जमीनी स्थिति के सबसे करीब होने और अपने घटकों (वार्डों) की जरूरतों का सबसे अधिक ज्ञान होने के बावजूद वे शहर के निर्णय प्रणाली के हिस्सेदार नहीं रह सके। यह दावा प्रजा फाउंडेशन ने एक रिसर्च के आधार पर किया है। संस्था के संस्थापक और प्रबंधक ट्रस्टी निताई मेहता ने कहा कि हालांकि महामारी का अनुभव हमारे पार्षदों को सशक्तिकरण और अधिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में सम्मिलित होने की आवश्यकता को दर्शाता है। यह इस तथ्य की ओर भी संकेत करता है कि पार्षदों को, संकट और अन्य दिनों के दौरान, अपने घटकों (वार्डों) की जरूरतों का प्रतिनिधित्व करने के

लिए जिम्मेदारियों का अत्यधिक बोझ है। इसलिए, प्रभावी विवेचना के माध्यम से प्रशासन को जवाबदेह ठहराने की उनकी मौजूदा जिम्मेदारियों के आधार पर, हमारे निर्वाचित जनप्रतिनिधि के कार्य प्रदर्शन की निगरानी करना महत्वपूर्ण है। इस वर्ष से, प्रजा ने अपने मैट्रिक्स को रूपांतरित किया है, जिसमें मुख्य रूप से ध्यान पार्षदों के विचारविमर्श के कार्य प्रदर्शन पर होगा, चूंकि विचार विमर्श कर्तव्य निर्वाचित प्रतिनिधि की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि 2019-20 (केंद्र और राज्य में) एक चुनावी वर्ष होने के कारण, पार्षदों के कार्य प्रदर्शन में गिरावट आई है। पार्षदों के प्रदर्शन में उपस्थिति के सन्दर्भ में उ.दि.न.नि.में 2017-18 में 75.32% से 2019-20 में 66.38%, द.दि.न.नि. में 75.10% से 66.61% और पू.दि.न.नि.में 81.83% से 71.27% की गिरावट दर्ज़ की गई है। सबसे अधिक गिरावट पू.दि.न.नि. में देखी जा सकती है, प्रजा फाउंडेशन के निदेशक मिलिंद म्हस्के ने कहा।

पार्षदों ने अपने समर्थकों के हितों के लिए जरूर बोला

मेहता ने निष्कर्ष निकालते हुए कहा कि,पार्षद, अपने समर्थकों के हितों के लिए बोलकर, सरकार में जनप्रतिनिधियों के रूप में कार्य करते हैं। यह शहर के कार्यप्रणाली में उनकी भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण बनाता है। यह हमारी आशा है कि दिल्ली में पार्षद अपना ध्यान उन कर्तव्यों और जिम्मेदारियों पर केंद्रित करें।

2019-20 में, 7 पार्षदों ने एक भी मुद्दा नहीं उठाया

आईसी सेंटर फॉर गवर्नेंस के निदेशक एम.सी. वर्मा ने दावा किया कि पार्षदों द्वारा उठाए गए कुल सवाल 2017-18 में 18,128 से 29% गिरकर 2019-20 में 12,879 हो गए। उठाए गए सवालों की संख्या में सबसे ज्यादा गिरावट उ.दि.न.नि. में 35% दिखाई दी, जिसके बाद द.दि.न.नि. (27% गिरावट) और पू.दि.न.नि. (16त गिरावट) है। लोकतंत्र और पार्टी राजनीति के वर्तमान ढांचे में हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि पार्षद चुनावों के लिए पार्टी प्रचार को प्राथमिकता देने की बजाय, स्थानीय सरकार की नियमित कार्यप्रणाली और विचार-विमर्श पर ध्यान केंद्रित करें। 2019-20 में, 7 पार्षदों ने एक भी मुद्दा नहीं उठाया है, जिनमें से परवीन (पू.दि.न.नि.) ने पूरे कार्यकाल (2017 से) में एक भी मुद्दा नहीं उठाया। यह विचार-विमर्श प्रक्रिया के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठता है, म्हस्के ने कहा।

डीयू के पीजी पाठ्यक्रमों में अब 18 नवंबर से दाखिले

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर । दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में दाखिला के लिए शुक्रवार को संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। इसके तहत मेरिट और प्रवेश परीक्षा आधारित पाठ्यक्रमों में दाखिला के लिए अब 18 नवंबर से प्रक्रिया शुरू होगी। पूर्व जारी कार्यक्रम के तहत यह दाखिला प्रक्रिया 28 अक्तूबर से शुरू होनी थी। डीयू प्रशासन की तरफ से जारी संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक पीजी पाठ्यक्रमों में दाखिला के लिए कुल तीन सूची जारी होंगी। पहली सूची के आधार पर 18 नवंबर सुबह 10 बजे से 20 नवंबर शाम 5 बजे तक दाखिला आवेदन किया जा सकेगा। जबकि, फीस 23 नवंबर रात 11 बजकर 59 मिनट तक जमा कराई जा सकेगी। इसी तरह दूसरी मेरिट सूची के आधार पर 25 नवंबर सुबह 10 से 27 नवंबर शाम 5 बजे तक दाखिला आवेदन जमा किए जा सकेंगे। वहीं, 30 नवंबर रात 11

बजकर 59 मिनट तक फीस जमा कराई जा सकेगी। इसी तरह तीसरी मेरिट सूची के आधार पर 2 दिसंबर सुबह 10 से 4 दिसंबर शाम 5 बजे तक दाखिला आवेदन और 7 दिसंबर रात 11 बजकर 59 मिनट तक फीस जमा कराई जा सकेगी। डीयू के एक अधिकारी के मुताबिक दाखिला कार्यक्रम में बदलाव स्नातक अंतिम वर्ष के छात्रों का परीक्षा परिणाम अभी तक जारी नहीं होने की वजह से किया गया है। अधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द से जल्द परिणाम जारी करने का प्रयास कर रहा है। यह एक प्रमुख वजह है जिस कारण दाखिला कार्यक्रम संशोधित किया गया है। डीयू पीजी पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए 1 दिसंबर से सत्र शुरू करेगा। हालांकि, स्नातक पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए 18 नंवबर से सत्र शुरू होने जा रहा है। डीयू प्रशासन के मुताबिक पीजी पाठ्यक्रमों में दाखिला के लिए कुल तीन सूची जारी होनी हैं। पहली दो सूची के आधार पर संपन्न हुई दाखिला प्रक्रिया के साथ ही सत्र शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद एक और दाखिला सूची जारी होगी।

उपमुख्यमंत्री ने अशोका यूनिवर्सिटी के छात्रों को बताया सुशासन का राज

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने युवा पीढ़ी को उद्यमी सोच विकसित करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि अगर हम सपने देखते हैं, तो उन्हें सच करने के लिए एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट के साथ काम करना जरूरी है। सिसोदिया ने कहा कि अगर हम अपने सपनों को सबकी आंखों से जोड़ दें, तो सफलता जरूर मिलेगी। गवर्नेंस और सोशल सेक्टर में पालिसी रिसर्च की जरूरत बताते हुए सिसोदिया ने स्टूडेंट्स को नए प्रयोगों की सलाह दी है।

अशोका यूनिवर्सिटी की 'गवर्नेंस एंटरप्रेन्योरशिप मास्टर क्लास' में स्टूडेंट्स से संवाद के दौरान सिसोदिया ने दिल्ली सरकार के सुशासन प्रयोगों पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि हमारे देश में अफसर और राजनेता मिलकर शासन चलाते हैं, लेकिन सुशासन कैसे आए, इस पर पालिसी इटरवेंशन और रिसर्च का महत्व अब तक नहीं समझा गया है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो हमने 'दिल्ली डायलॉग कमीशन' तथा अन्य माध्यमों से नए

विचारों का स्वागत किया। इसके कारण हमें सुशासन के नएनए प्रयोग करने में सफलता मिली।

स्टूडेंट्स के सवालों का जवाब देते हुए सिसोदिया ने दिल्ली में सुशासन के विभिन्न प्रयोगों की निर्णय प्रकिया का खुलासा किया। उन्होंने बताया मोहल्ला क्लीनिक, सरकारी स्कूलों को शानदार बनाने, सरकारी सेवाओं की डोरस्टेप डिलेवरी, आउटकम बजट, वैट की दर घटाकर पांच फीसदी करने, बजट का 25 फीसदी हिस्सा शिक्षा पर खर्च, कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय खोलने जैसे नीतिगत फैसले किस तरह लिए गए। सिसोदिया ने कहा कि 2015 में हमारे स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के दौरे में पाया कि चार स्टाफ सिर्फ मरीजों के रजिस्टर भरने में लगे हैं। तब उन्होंने एक डाक्टर और एक कंपाउंडर वाले माहल्ला क्लीनिक का सफल प्रयोग किया। सिसोदिया ने कहा कि जब मैं वित्तमंत्री बना तो विभिन्न चीजों पर टैक्स लगाकर राजस्व बढ़ाने के सुझाव आए। लेकिन जब मैंने व्यापारियों से बात की, तो पता चला कि 12.5 फीसदी वैट होने के कारण लोग टैक्स चोरी करते हैं।

हमने वैट घटाकर मात्र पांच फीसदी कर दिया। इससे हमारा राजस्व 26,000 करोड़ से बढ़कर 60,000 करोड़ हो गया। सिसोदिया ने इसे गवर्नेंस के क्षेत्र में एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट का उदाहरण बताया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि असली चुनौती हमारी सोच को बदलना है। प्रारंभ में मुझे सलाह दी गई कि सरकारी स्कूलों को निजी संस्थाओं या प्राइवेट स्कूलों के हवाले कर दिया जाए। लेकिन मैंने कहा कि पहले हमें खुद पर भरोसा करना होगा।

दिल्ली के कुछ इलाकों में क्यों नहीं आ रहा पानी, राघव चड्ढा ने बताई इसकी वजह

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (वेबवार्ता)। दिल्लीएनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच हरियाणा द्वारा यमुना में छोड़े जाने वाले पानी में अमोनिया का स्तर असमान्य रूप से बढ़ जाने के चलते गुरुवार शाम से दिल्ली के कुछ हिस्सों में पानी नहीं आ रहा है। दैनिक कामों के लिए भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पाने के चलते लोग परेशान हैं और बाजार से पानी खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। दिल्लीवालों की इसी परेशानी को देखते हुए आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने कहा कि हरियाणा से दिल्ली तक यमुना के पानी में प्रदूषकों के स्तर में वृद्धि होने के कारण दिल्ली जल बोर्ड के दो प्रमुख वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद हो गए हैं। ये सब पानी में अमोनिया का स्तर बढ़ने से हुआ है। प्रभावित हिस्सों में जलापूर्ति शनिवार सुबह तक सामान्य होगी। जानकारी के अनुसार, राघव चड्ढा ने कहा शुक्रवार को कहा कि यमुना का पानी जो हरियाणा से दिल्ली में आता है उसमें अमोनिया की मात्रा बढ़ जाने से प्लांट बंद करने पड़े थे। हमने पानी में हो रहे प्रदूषण को नियंत्रण कर समस्या का समाधान ढूंढ लिया है। कल से दिल्ली में फिर से वाटर सप्लाई सुचारू ढंग से शुरू हो जाएगी। राघव चड्ढा ने गुरुवार को इस संबंध में ट्वीट कर कहा था कि हरियाणा द्वारा छोड़े जाने वाले यमुना के अशोधित जल में प्रदूषकों का स्तर असामान्य रूप से बढ़ जाने के चलते सोनिया विहार और भागीरथी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में जल शुद्धिकरण कार्य प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगा। इसके परिणामस्वरूप पूर्वी, उत्तर पूर्वी और दक्षिण दिल्ली के कुछ हिस्सों में जलापूर्ति प्रभावित होगी। उन्होंने कहा था कि लोगों को यह सलाह दी जाती है कि इस दौरान उचित तरीके से पानी को स्टोर / उपयोग करें।

लव जिहाद पर सख्त कानून जल्द ही नहीं मना तो हिंदू दोषियों को खुद सजा देने को विवश हो जाएंगे

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। बल्लभगढ़ की निकिता हिंदू धर्म की रक्षा के लिए स्वयं का बलिदान देकर उन हिंदू लड़कियों के लिए प्रेरणा बन गई जो जानेअनजाने लव जिहाद का शिकार हो रही हैं। निकिता को लव जिहाद के तहत मुस्लिम युवकों द्वारा बहलाफुसलाकर अपहृत किया जा रहा था ताकि उसका शोषण कर उसे बर्बाद करके ब्लैकमेल कर इस्लाम कबूल करने को विवश किया जा सके परंतु वह अपने धर्म के प्रति अडिग रही। यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जयभगवान गोयल आज निकिता के परिवार को मिलने बल्लभगढ़ स्थित उनके निवास पहुंच। गोयल ने कहा कि लव जिहाद के मामले दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं, मुस्लिम युवक हिंदू नामों से गैर मुस्लिम लड़कियों को गहरी साजिश के तहत फंसा कर उनका शोषण कर रहे हैं लेकिन प्रशासन द्वारा त्वरित कार्यवाही ना करने से मामले कई कई

साल तक फैसले के लिए लटके रहते हैं। देश का दुर्भाग्य है कि तुष्टीकरण के कारण प्रशासन सरकार के हाथों नपुंसक बनकर रह गया है। उन्होंने कहा कि निकिता के हत्यारे मौका ए वारदात पर उसे गोली मारते हुए फर्स्ट सीसीटीवी में सारे देश ने देखा है। फिर एसआईटी का गठन करना और उसे 2 माह में फैसला देने का स्पष्ट अर्थ दोषियों का बचाव करना है। ऐसे दोषियों को 7 दिन के अंदर फांसी पर लटका देना चाहिए अन्यथा एनकाउंटर कर देना चाहिए। गोयल ने कहा कि लव जिहाद पर सख्त कानून में और देरी हिंदू समाज के आक्रोश का कारण बन जाएगी। यदि हिंदू लड़कियों का शोषण व हत्याएं लव जिहाद से होती रही तो हिंदू खुद ऐसे दोषियों को सजा देने को विवश हो जाएंगे।

बड़ी मेहनत के साथ कार्य करते हैं सफाई कर्मचारीः विजेंद्र यादव

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति के उपाध्यक्ष विजेन्द्र यादव ने कहा कि हमने दैनिक मजदूरी पर काम करने वाले सफाई कर्मचारियों को नियमितीकरण पत्र वितरित कर स्थायी किया है। यादव ने कहा कि हम कर्मचारियों के साथ है। सफाई कर्मचारियों की मांग थी कि दैनिक मजदूरी पर काम कर रहे है, सफाई कर्मचारियों को स्थायी किया जाये और हमने कर्मचारियों की मांग का सम्मान किया है और उन्हें पक्का करने का निर्णय लिया है। यह भाजपा की नीतिया है कि कर्मचारियों के हित में कार्य करने की, निगम ने उसी पर कार्य किया है। यादव ने कहा कि हमारा प्रयास है कि समय से कर्मचारियों को सैलरी मिले। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार उत्तरी दिल्ली नगर निगम का बकाया राशि तुरंत दे। जिससे कि निगम के कर्मचारियों को समय से सैलरी मिले। आज सफाई कर्मियों ने स्थायी होने पर स्थायी समिति के उपाध्यक्ष को बधाई दी और इस कार्य के लिए निगम का

धन्यवाद भी किया। उन्होंने कहा सफाई कर्मचारी बड़ी ही मेहनत करते है। इनके कार्यों की मैं सराहना करता हूँ निगम का प्रयास है कि आगे भी निगम के जो सफाई कर्मचारी पक्के नहीं है और वह कार्य कर रहे है। उनको भी पक्का किया जायेगा।

रात आठ से दस बजे तक ही बजा सकेंगे ग्रीन पटाखे

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (वेबवार्ता)। दिल्ली सरकार ने दीपावली और गुरुपर्व के लिए ग्रीन पटाखे चलाने का समय निर्धारित किया है। रात आठ से दस बजे के बीच ग्रीन पटाखे चलाए जा सकेंगे। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने

जिलाधिकारियों और पुलिस को सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं कि दिल्ली में केवल ग्रीन पटाखे ही बने और बिके।

दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए सरकार किसी भी तरह से सामान्य पटाखों की बिक्री और उनका इस्तेमाल रोकने का प्रयास कर रही है। पर्यावरण मंत्री ने दो दिन पहले ही केवल ग्रीन पटाखों को ही अनुमति मिलने की घोषणा की थी। उन्होंने शुक्रवार को डीएम और पुलिस अधिकारियों को कहा कि वे यह सुनिश्चित कराएं कि दिल्ली में केवल ग्रीन पटाखों का ही निर्माण हो। उन्हें ही स्टोर करके रखा जाए और उनकी ही बिक्री हो। उन्होंने आगे कहा कि दीपावली और गुरुपर्व के दिन रात आठ से 10 बजे तक जबकि, क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या पर रात 11.55 से 12.30 तक ही पटाखे चलाने की इजाजत होगी। इसी क्रम में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की ओर से भी निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि केवल लाइसेंसशुदा व्यापारी ही मानकों को पूरा करने वाले पटाखे बेच सकेंगे। कोई भी ईकॉमर्स वेबसाइट ऑनलाइन आर्डर नहीं ले सकेगी। डीएम और डीसीपी इसे लेकर अभियान चलाएंगे। ग्रीन पटाखे सामान्य पटाखों से कम प्रदूषण पैदा करते हैं। माना जाता है कि उनके इस्तेमाल से सल्फर डाइआक्साइड और नाइट्रोजन डाइआक्साइड जैसे प्रदूषकों की मात्रा 30 फीसदी तक कम निकलती है। इसके चलते वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने सामान्य पटाखों पर पाबंदी लगाते हुए केवल ग्रीन पटाखों की ही बिक्री को इजाजत देने की बात कही थी।

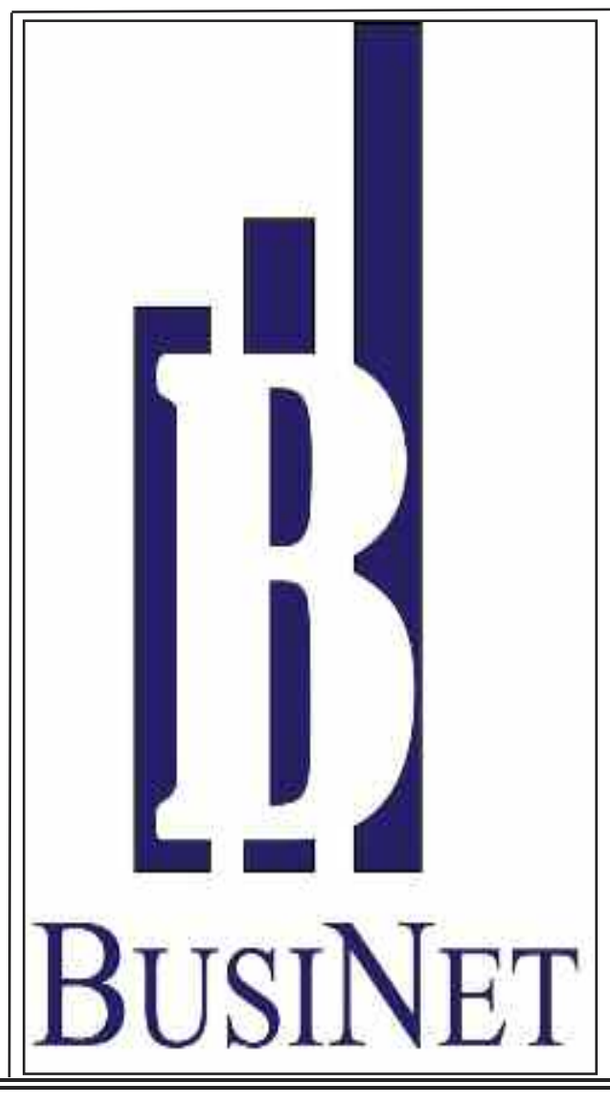

संपादकीय

बिहार की जनता ने रोजगार पर मतदान किया तो पूरे देश में यह बड़ा मुद्दा बन जायेगा

अमेरिका एवं यूरोप की सम्पन्नता और सुविधाएं देखकर भारत का अभिजात्य वर्ग बड़ा प्रभावित होता रहा है जिसका परिणाम ये हुआ कि निजीकरण, उदारीकरण कि ओर हम चल पड़े। ये तथाकथित बुद्धिजीवी एवं व्यापारी सोचे कि उनकी नक़ल करके हम भी वैसे हो जायेंगे जबकि परिस्थितियों कि तुलना नहीं की। यूरोपीय देशों में औद्योगिक क्रान्ति सत्रहवीं अठारवी शताब्दी में हो चुकी है और आज भी उस दौर की तुलना में कुछ मायनों में हम उनसे पीछे हैं। यूरोप में सुधारवाद, औद्योगीकीकरण एवं जनतंत्र सत्रहवीं एवं अठारवीं शताब्दी में जड़ें जमा चुकी थी। वहां के विद्रोही एवं व्यापारी अमेरिका में बड़ी संख्या में गए तो उनकी सोच भी साथ गयी। 1917 में रूसी क्रांति के बाद यूरोप और अमेरिका भयभीत हुए और इसलिए राज्य के चरित्र में तेजी से बदलाव आया। साम्यवादी विचारधारा के खतरे से बचने के लिए इन देशों के राज्य के चरित्र बदले जिन्हें हम कल्याणकारी कहते हैं।

बिहार में इस समय विधानसभा चुनाव हो रहा है। तेजस्वी यादव ने दस लाख सरकारी नौकरी देने का वायदा करके राज्य को कल्याणकारी बनाने का प्रयास किया है। 2014 में भाजपा की सरकार केंद्र में आई और अंधाधुंध अमेरिका और यूरोप के विकास मॉडल पर चल पड़े। वहां पर अभी तक चीजें निजी क्षेत्र में हैं और राज्य धीरेधीरे अपना कल्याणकारी स्वरूप खो बैठे हैं। 6070 के दशक में रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि देने का कार्य सरकार का होना चाहिए ऐसी मांगें हुआ करती थीं। 90 के बाद बदलाव आना शुरू हुआ और मोदी राज में तो लगा ही नहीं कि राज्य को कल्याणकारी होना चाहिए। शिक्षा और स्वास्थ्य को निजी क्षेत्र में धकेला और सरकारी शिक्षण संस्थाएं कमजोर हुयीं। स्वास्थ्य के मामले में भी कुछ ऐसा नजरिया रहा रोजगार के मामले में सरकार ने बिल्कुल ही पल्ला झाड़ लिया और इसे अनावश्यक सरकार के ऊपर बोझ मान लिया। मीडिया, बुद्धिजीवी और सरकार के अनोखे गठजोड़ से माहौल बनाया गया कि हजारों एवं लाखों कर्मचारियोंअधिकारियों पर सरकार खर्चा करती है। क्यों नहीं इसे खत्म कर दिया जाये। तमाम तरीके निकाले गए जैसे निजीकरण, विनिवेश, आउट्सोर्सिंग, ठेकेदारी आदि और दूसरी तरफ वीआरएस एवं सीआरएस की तमाम योजनायें लायी गयीं। कर्मचारीङ्कअधिकारी सेवानिवृत होते रहे और दूसरी तरफ नई भारतीयों के रास्ते बंद कर दिए गए। इस तरह से सरकार काफी हद तक गैर कल्याणकारी होती गयी जैसे यूरोप और अमेरिका में है। देखने कि बात है कि क्या दोनों समाजों की परिस्थितियाँ समान हैं या भिन्न।

बिहार के चुनाव में दस लाख नौकरी देना मुद्दा बना जो शायद कभी कभार होता है, इसका परिणाम केवल बिहार में ही नहीं दिखेगा बल्कि पूरे देश में दिखेगा। अगर, बिहार के लोगों ने इस मुद्दे पर मतदान किया तब ऐसा देखने को मिल सकता है। यूरोप और अमेरिका के देश स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार आदि से पल्ला झाड़ सकते हैं चूंकि वहां उतनी असमानता नहीं है। हमारे यहाँ जाति व्यावस्था है और अभी भी बड़े आबादी के हिस्से को आज़ादी नहीं है कि वह किसी भी व्यापार और पेशे को जब चाहे अपना ले या छोड़ दे। दूसरी बात यह है कि उन देशों में धन एक ही पीढ़ी के लिए कमाया जाता है और अपवाद को छोड़कर के दुनिया से विदा होने के पहले लोग अपनी धन सम्पत्ति को खत्म कर चुके होते हैं या सामजिक कार्य में लगा देते हैं या दान दे देते हैं। इसके विपरीत हमारे यहाँ सात पीढ़ी के लिए धन कमाया जाता है। अतः समाज के बड़े हिस्से तक नहीं पहुच पाता है। हमारे यहाँ व्यक्ति स्वर्ग में जगह बनाने के लिए धन व्यय करेगा या आने वाली पीढ़ी के लिए इसलिए जितना ज्यादा हो कभी पूरा नहीं हो पाता। कभी दूसरों को देने या छोड़ने के लिए नहीं हो पाता। जातीय एवं सामाजिक व्यवस्था ने उदारता के लिए बहुत कम जगह छोड़ी है। एक जमीदार के पास सौ एकड़ जमीन अगर है तो न स्वयं मेहनत करेगा ।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

राष्ट्रवाद के प्रणेता सरदार बल्लभ भाई पटेल

सरदार वल्लभ भाई पटेल का व्यक्तित्व आधुनिक भारत का राष्ट्रवादी चेहरा है। जब हम भारत की बात करते हैं तो इतिहास का अध्ययन सरदार के बगैर अधूरा है। सरदार शब्द स्वयं में विराट और सम्पूर्णता का द्योतक है। भारत के ग्रामीण इलाकों में सरदार शब्द प्रमुखता से से आता है। सरदार का मतलब घर का मालिक यानी एक भरोसेमंद पुरुषत्व का महानायक। एक ऐसा नायक जिसकी उपलब्धता यह सुनिश्चित करती है कि अगर घर में सरदार मौजूद है तो उसकी सुरक्षा की चिंता करने की जरूरत नहीं है। राष्ट्रवाद के संदर्भ में उसी तरह सरदार पटेल को देखा जाता था। उनके नेतृत्व पर लोगों को खुद से अधिक विश्वास था। लेकिन आधुनिक भारतीय राजनीति और उसके दर्शन में पटेल विभाजित हो गए हैं। अवसरवादी और सत्ता सुलभ राजनीति ने सरदार के व्यक्तित्व को बेहद कम आँकने की भूल की है। राष्ट्रवाद उनमें कूट कूट कर भरा था जिसकी वजह से उन्हें सरदार की उपाधि मिली। स्वाधीन भारत की काँग्रेस सरकार में उन्होंने उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री के रूप में काम किया। सरदार वल्लभभाई झावेरभाई पटेल का जन्म 31 अक्तूबर 1875 को गुजरात प्रांत के नडियाद में पाटीदार परिवार में हुआ था। पटेल अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माँ लाडबा की चौथी संतान थे। उनकी शिक्षा मुख्यतः स्वाध्याय सेहुई। लन्दन जाकर उन्होंने वकालत की शिक्षा ग्रहण किया। अहमदाबाद की अदालत में उन्होंने कालीकोट पहन कर प्रैक्टिस भी किया। लेकिन उनका मन वकालत में नहीं लगा। देश उस दौर में स्वाधीनता आंदोलन की आँच में गर्म था। अँग्रेजी हुकूमत से देश लड़ रहा था। गाँधीजी स्वाधीनता आंदोलन में अहम भूमिका निभा रहे थे। उनके विचार युवाओं को काफी प्रभावित कर रहे थे। आखिरकार गाँधीजी के विचार से प्रभावित होकर पटेल स्वाधीनता आंदोलन में कूद पड़े। सरदार पटेल का सबसे बड़ा योगदान 1918 में गुजरात के खेडा संघर्ष में हुआ। किसान सूखे की चपेट में थे। अंग्रेजी हुकूमत से लगान में छूट की मांग कर रहे थे, लेकिन अँगरेज़ यानी गोरों की सरकार इस मांग को नहीं मान रही थीं। पटेल गांधीजी और दूसरे नेताओं के साथ मिलकर इस किसानों की मांग का मुखर समर्थन किया। किसानों से लगान न जमा करने के लिए प्रेरित किया। बारडोली सत्याग्रह के बाद पटेल की छबि पूरे देश में अलग रूप से निखरी। उन्हीं की मुखरता की वजह से न्यायिक अधिकारी ब्लूमफील्ड और राजस्व अधिकारी मैक्सवेल को 22 फीसदी लगान वृद्धि को वापस लेना पड़ा। जिसकी वजह से बारडोली सत्याग्रह

में किसानों की जीत हुई। इसी वजह से पटेल का नाम सीधे बारडोली सत्याग्रह से जुड़ गया। गुजरात के एक दूसरे बड़े किसान आंदोलन में सत्याग्रह सफल होने पर वहां की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि प्रदान किया। पूरे गुजरात में किसान आंदोलन में पटेल की सशक्त भूमिका पर महात्मा गाँधी ने कहा था कि इस तरह का हर संघर्ष, हर कोशिश हमें स्वराज के करीब पहुंचा रही है। भारतीय राजनीति के इतिहास में राजशाही यानी सामंती व्यवस्था ख़त्म करने में सरदार पटेल का योगदान अहम था। गृहमंत्री के रूप में उनकी पहली प्राथमिकता रजवाडे ख़त्म करना था। वह सामंती शासन व्यवस्था के खिलाफ थे। जिसकी वजह से देशी रियासतों का भारत संघ में विलय उनका मुख्य लक्ष्य था। इसीलिए उन्हें भारत का लौहपुरष कहा जाता है। भारत का प्रचीन इतिहास लिखने वाले तीन रूसी लेखकों अन्तोनोवा, बोगर्द लेविन और कोतोव्स्की ने लिखा है कि भारत में रियासतों के एकीकरण के लिए 1947 में एक विशेष मंत्रालय गठित किया गया जिसकी जिम्मेदारी पटेल को दी गई। यह भी लिखा गया है कि राज्यों के विलय के लिए राजाओं को 5.6 करोड़ की राजकीय पेंशन भी दी गई। भारत में अँग्रेजी शासनकाल में कुल 601 देशी राज्य थे जिसमें 555 का विलय किया गया। लेकिन कुछ रियासतों को मिली विशेष सुविधाओं ने एकीकरण में समस्या खड़ी किया। जिसमें हैदराबाद, कश्मीर , जूनागढ़ और मैसूर थे। भारत संघ के साथ रियासतों के समझौते में 50 से लेकर 26 लाख तक सालाना पेंशन देशी रियासतों को देनी पड़ती थीं। राज्यों को विशेष सुविधाएं भी मिलती थीं। निजाम हैदराबाद, कश्मीर को बाद में शामिल किया गया। हैदराबाद रियासत के विलय के लिए सेना तक भेजनी पड़ी। क्योंकि निजाम हैदराबाद और जूनागढ़ पाकिस्तान और अँग्रेजी हुकूमत से मिल कर वह विलय प्रस्ताव नहीं स्वीकार करना चाहते थे। जूनागढ़ ने तो बाकायदा पाकिस्तान में विलय की घोषणा कर दिया था। लेकिन सरदार के सामने एक न चली अंततः हैदराबाद और जूनागढ़ में सेना भेज कर सरदार पटेल ने इन देशी राज्यों को भारतीय संघ में मिला लिया। जबकि राजाओं को भागकर अपनी प्राण रक्षा करनी पड़ी।

भारत में जब भी कश्मीर समस्या पर चर्चा होती है तो इस समस्या के लिए सीधे नेहरू को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई मुद्दों पर पंडित नेहरू को घेरा है। जिसके बाद यह विषय काँग्रेस और भाजपा के बीच सियासी बतंगड बन जाती है। सोशलमीडिया पर नेहरू पर टिप्पणी को लेकर पीएम मोदी की काफी आलोचना भी होती है। इतिहास में जो बातें आई हैं उसमें कहा गया है कि नेहरू और पटेल की नीतियों में काफी टकराव था। पटेल किसी फैसले पर त्वरित कार्रवाई चाहते थे जबकि पंडित नेहरू लचीला और समझौतावादी रुख अपनाते थे। पटेल राष्ट्रीय मामलों एवं राष्ट्रवाद को लेकर काफी प्रखर थे। सरदार राष्ट्रवाद के मसले पर वह कोई लचीला सिद्धांत नहीं अपनाना चाहते थे जो बाद में देश के लिए फोड़ा बने जबकि पंडित नेहरू इस विचारधारा में विश्वास नहीं रखते थे। भारत संघ में राज्यों को विलय को लेकर पटेल की नीति साफ थीं। उन्होंने हैदराबाद, मैसूर और जूनागढ़ के विरोध को कुचल कर एकीकरण किया। जबकि नेहरू को यह नीति पसंद नहीं आयीं और कश्मीर मसले को अपने पास रख लिया। नेहरूजी कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय समस्या बताते हुए इसे अपने पास रख लिया। यहाँ तक तो ठीक था लेकिन उन्होंने एक बड़ी भूल कर दिया जो भारत के लिए नासूर बन गई। उन्होंने कश्मीर समस्या का अंतर्राष्ट्रीयकरण कर दिया और इस मसले को संयुक्तराष्ट्रसंघ में लेकर चले गए। उनकी यह सबसे बड़ी भूल थीं। उसी समस्या को भारत आज तक झेल रहा है।

प्रभुनाथ शुक्ल
www.womenexpress.in

नये भारत के निर्माता थे सरदार पटेल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षो में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निर्माता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए छः सौ छोटी बड़ी रियासतों का भारत में विलय कराया। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। जिस अदम्य उत्साह, असीम शक्ति से उन्होंने एकीकृत देश की प्रारम्भिक कठिनाइयों का समाधान किया। भारत की स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी।जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा। जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं। सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चैथी संतान थे।

रमेश सर्राफ झुंझुनू राजस्थान ।
www.womenexpress.in

भारत के लौह पुरुष सरदार पटेल

देश की स्वतंत्रता, एकता ,अखंडता और सुरक्षा को संरक्षित करने में सरदार पटेल का अहम् योगदान था। वे न केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे अपितु भारत के एकीकरण में उनकी ऐतिहासिक और अविसमरणीय भूमिका स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। सम्पूर्ण देश 31 अक्टूबर को उनकी जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन कर रहा है।

इस सच को स्वीकार किया जाना चाहिए कि महात्मा गाँधी का प. जवाहर लाल नेहरू के प्रति असीम लगाव नहीं होता तो देश के पहले प्रधानमंत्री सरदार पटेल होते। सरदार पटेल स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बने। भारत के राजनैतिक एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय एकता के अदभुत शिल्पी थे जिनके ह्रदय में भारत बसता था। वास्तव में वे भारतीय जनमानस की आत्मा थे। सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के एक छोटे से गाँव नाडियाड में हुआ था। स्वतंत्रता की लड़ाई में उनका महत्वपूर्ण योगदान था, जिसके कारण उन्हें भारत का लौह पुरुष भी कहा जाता है। उनके पिता झावेरभाई एक किसान और मां लाडबाई एक साधारण महिला थी। सरदार वल्लभ भाई की प्रारंभिक शिक्षा करमसद में हुई। फिर उन्होंने पेटलाद के एक विद्यालय में प्रवेश लिया। दो वर्ष के पश्चात उन्होंने नाडियाड शहर के एक हाई स्कूल में प्रवेश लिया। उन्होंने अपनी हाई स्कूल की परीक्षा 1896 में उत्तीर्ण की। सरदार वल्लभ भाई पटेल अपनी पूरी शिक्षा के दौरान एक मेधावी छात्र रहे। सरदार पटेल का जन्म एक किसान परिवार में हुआ। वह अपने पिता के साथ खेत में काम करते थे और महीने में दो बार दिनभर का व्रत रखते थे। इस तरह के त्याग ने उन्हें बचपन से ही मजबूत बनाने का काम किया। चूंकि वह खुद एक गरीब परिवार से आते थे, इसलिए शायद उनके मन में देश के गरीबों के लिए दर्द था।

वल्लभ भाई वकील बनना चाहते थे। उन्होंने अपने एक परिचित वकील से पुस्तकें उधार ली और घर पर अध्यन आरम्भ कर दिया। समयसमय पर उन्होंने अदालतों के कार्यवाही में भी भाग लिया और वकीलों के तर्कों को ध्यान से सुना। तत्पश्चात वल्लभ भाई ने वकालत की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण

कर की। सरदार पटेल ने गोधरा में अपनी वकालत शुरू की और जल्द ही उनकी वकालत चल पड़ी। उनका विवाह झबेरबा से हुआ। 1904 में पुत्री मणिबेन और 1905 में उनके पुत्र दहया भाई का जन्म हुआ। वल्लभ भाई ने अपने बड़े भाई विट्ठलभाई, जो स्वयं एक वकील थे, को कानून की उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड भेजा। पटेल सिर्फ 33 साल के थे जब उनकी पत्नी का देहांत हो गया। अपने बड़े भाई के लौटने के पश्चात वल्लभ भाई इंगलैंड चले गए और कानूनी परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सरदार पटेल ने माहात्मा गांधी से प्रेरित होकर स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया था। सरदार पटेल द्वारा इस लड़ाई में अपना पहला योगदान खेड़ा संघर्ष में दिया गया, जब खेड़ा क्षेत्र सूखे की चपेट में था और वहां के किसानों ने अंग्रेज सरकार से कर में छूट देने की मांग की। जब अंग्रेज सरकार ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया, तो सरदार पटेल, महात्मा गांधी और अन्य लोगों ने किसानों का नेतृत्व किया और उन्हें कर न देने के लिए प्ररित किया। अंत में सरकार को झुकना पड़ा और किसानों को कर में राहत दे दी गई।

1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया जिससे पुरे गुजरात में आन्दोलन और तीव्र हो गया और ब्रिटिश सरकार गाँधी और पटेल को रिहा करने पर मजबूर हो गयी। इसके बाद उन्हें मुंबई में एक बार फिर गिरफ्तार किया गया। 1931 में गांधी इरविन समझौते पर हस्ताक्षर करने के पश्चात सरदार पटेल को जेल से रिहा किया गया और कराची में 1931 सत्र के लिए उन्हें कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। लंदन में गोलमेज सम्मेलन की विफलता पर गांधीजी और सरदार पटेल को जनवरी 1932 में गिरफ्तार कर लिया गया और येरवदा की सेंट्रल जेल में कैद किया गया। कारावास की इस अवधि के दौरान सरदार पटेल और महात्मा गांधी एक दूसरे के करीब आये और दोनों के बीच में स्नेह, भरोसे और स्पष्टवादिता का रिस्ता बना। अंततः जुलाई 1934 में सरदार पटेल को रिहा किया गया। अगस्त 1942 में कांग्रेस ने भारत छोड़ो आंदोलन आरम्भ किया। सरकार ने वल्लभ भाई पटेल सहित कांग्रेस के सारे विशिष्ट नेताओ को कारावास में डाल दिया। सारे नेताओं को तीन साल के बाद छोड़ दिया गया। आजादी से पहले भारत में दो तरह का शासन था। भारत का एक हिस्सा वो था जिसपर अंग्रेजों का सीधा शासन था जबकि देश का बाकी हिस्सा 562 से ज्यादा रियासतों और रजवाड़ों के रूप में था, जहां अंग्रेजों के अधीन राजाओं और नवाबों का शासन था।

बाल मुकुन्द ओझा
मालवीय नगर, जयपुर।
www.womenexpress.in

बिहार चुनाव में बेरोजगारी का मुद्दा हावी

बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण का मतदान पिछले दिनों हो चुका है। सभी राजनीतिक दलों और गठबंधनों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए बड़ेबड़े वादे किए हैं। इसमें रोजगार का मुद्दा भी काफी अहम है। महागठबंधन हो या एनडीए या फिर अन्य राजनीतिक दल, सभी ने सत्ता में आने पर लाखों की संख्या में रोजगार देने का वादा किया है। खासकर चुनावी घोषणापत्रों में यह जरूर नजर आता है। अगर ये कहा जाए कि बिहार चुनाव में बेरोजगारी की समस्या सबसे बड़ा मुद्दा बनकर उभरा है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगा। भारत में चुनावों का इतिहास देखा जाए तो बहुत कम ऐसे चुनाव होंगे जिनमें बेरोजगागरी मुद्दा बनी। वरना हर दफा चुनाव किसी न किसी दूसरे मुद्दे के इर्द गिर्द मंडराने लगता है, और राजनीतिक दल अपना स्वार्थ साधकर आगे निकल जाते हैं। कोरोना महामारी के चलते करीब 12 करोड़ भारतीयों की नौकरियां गईं, ठेके के काम बंद हुए और दिहाडियां खत्म हो गईं। लिहाजा बेरोजगारी और नौकरी या रोजगार देने का आश्वासन इस दौर का सबसे संवेदनशील मुद्दा है। राष्ट्रीय जनता दल के युवा नेता एवं विपक्षी गठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने वादा किया है कि यदि उनकी सरकार बनी, तो कैबिनेट की पहली ही बैठक में, पहली ही कलम से, बिहार में 10 लाख सरकारी नौकरियां देने का फैसला लिखा जाएगा। बिहार में सरकारी दफ्तरों में लाखों नौकरियां रिक्त पड़ी हैं, लेकिन उन पर भर्ती नहीं हो रही है। जाहिर है, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने एक सुर में तेजस्वी यादव की घोषणा को हवाहवाई घोषणा साबित करते हुए लालूराबड़ी शासन काल में शिक्षा व रोजगार की बदहाल स्थिति पर निशाना साधा और वोटरों को हकीकत की याद दिलानी शुरू कर दी। इसमें कोई दो राय नहीं है कि लॉकडाउन के दौरान बिहार के ही हजारों प्रवासी मजदूरों को तकलीफें झेलनी पड़ीं, कामधंधा चला गया, गरमतपती सड़कों पर पैदल चलते हजारों किलोमीटर का रास्ता तय करते हुए गांव पहुंचना पड़ा, कइयों को मौत सरीखी त्रासदियां भी देखनीभोगनी पड़ीं, लिहाजा उस तबके और युवा वर्ग में एक उम्मीद जगी है कि बिहार में नौकरी या रोजगार संभव होगा! ये तबके बेहद गुस्से और आक्रोश में हैं। नीतीश सरकार का विरोध भी स्पष्ट और स्वाभाविक है। तेजस्वी यादव बेरोजगारी को लेकर काफी पहले से नीतीश सरकार पर हमलावर रहे हैं। पहले भी वे कहते रहे हैं कि केंद्र व राज्य की सरकार ने नौकरी के नाम पर युवाओं को ठगा है। काट्रैक्ट (संविदा) पर नियुक्ति करके उन्होंने बेरोजगारों को साधने की कोशिश की है. उनकी सोच है कि समयसमय पर थोड़ी वेतन वृद्धि कर वे युवाओं का वोट लेते रहें और अपना रोजगार चलाते रहें। लाखों पद रिक्त हैं किंतु युवा डिग्रियां लेकर भटक रहे हैं। चुनाव में बेरोजगारी को मुद्दा बनाने के इरादे से ही राजद ने बीते पांच सितंबर को 'बेरोजगारी हटाओ' पोर्टल लांच किया था। पार्टी की ओर से बकायदा टोल फ्री नंबर भी जारी किया गया जिस पर मिस्ड कॉल देना था. राजद का दावा है कि नौ लाख 47 हजार लोगों ने वेबसाइट पर स्वयं को रजिस्टर्ड कराया तो वहीं तेरह लाख 11 हजार लोगों ने मिस्ड कॉल दिया। इस तरह 22 लाख 58 हजार से अधिक लोगों ने निबंधन कराया। आंकड़ों के अनुसार बिहार में बेरोजगारी की औसत दर 910 फीसदी रही है, लेकिन कोरोनाकाल में यह बढ़कर 4045 फीसदी तक पहुंच गई है। बेहद भयावह परिस्थिति है यह ! राजद की प्रतिक्रिया में भाजपा ने अपने संकल्पपत्र में 19 लाख रोजगार के अवसर पैदा करने का वादा किया है। इनमें 10 लाख कृषि, 5 लाख आईटी, 3 लाख शिक्षक और एक लाख स्वास्थ्यकर्मियों को रोजगार या नौकरी देने का आश्वासन दिया गया है। चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि रोजगार देने के प्रयास किए जा रहे हैं। दोनों पक्षों की भाषा में बुनियादी अंतर है, लेकिन यह होड़ ही बिहार चुनाव का सबसे अहं मुद्दा बनकर उभरा है। जमीनी स्तर पर देखा जाए तो दरअसल बिहार में सरकारी नौकरियों और रोजगार के अवसर बेहद सीमित हैं।

डॉ. श्रीनाथ सहाय
(स्वतंत्र पत्रकार)
हीरा पट्टी, आजमगढ़ (उ0प्र0)।
www.womenexpress.in

क्या रिश्तों की भी मांग होती है?

बिलकुल होती है रिश्तों में अपनापन बनाएं रखने के लिए प्यार, परवाह, सौहार्द भाव और समय का खाद देना पड़ता है फिर रिश्ता चाहे कोई भी हो। सबसे पहली मांग संवाद का सेतु अपनों के दिल तक पहुँचने का सीधा रास्ता है। मौन रिश्ते जल्दी दम तोड़ जाते है। तो दिन भर चाहे कितने भी व्यस्त रहें चंद पल चुराकर अपनों से बतिया लीजिए रिश्तों में नमी बनी रहेगी। अगर कोई रिश्तेदार दूर है तो सप्ताह में एक बार फोन करके हालचाल पूछना रिश्ते में अपनेपन को जीवित रखेगा। हो सके तो नज़दीकी अपनों के जन्मदिन शादी की सालगिरह और कोई भी खास दिवस मोबाइल के कैलेंडर में सहज लें और रिमाइन्डर सेट करके उस खास दिन पर अभिनंदन देकर अपनापन जताईये रिश्ते में नये फूल खिल उठेंगे।

रिश्तों में एक खास रिश्ता है पति पत्नी का। खासकर पति पत्नी के रिश्ते में हल्की भी दरार ना पड़ने दें सिलन पनपते देर नहीं लगती। इस रिश्ते को संजोने की शुरुआत सुबह से ही करें। सुबहसुबह बाल्कनी में बैठ हल्के चुटकुले संग चाय के टेबल पर आधा घंटा साथसाथ बिताते जीवन सफ़र की चर्चा कर लो। खाने के टेबल पर प्यार से एक दूसरे को रोज एक कौर खिलाओ। छुट्टीयों के दिन दोपहर को सोफ़े पर हाथ में हाथ लिये हल्की फूल्की मूवी देखना, या सुहानी किसी शाम में दरिया के तट पर कदम मिलाकर चलना, कभी एक दूसरे को हल्के हाथों मालिश कर बालों में तेल लगाना, एक दूसरे के काम की, या व्यक्तित्व की तारिफ़ करना, बाथटब में आमनेसामने बैठ प्यार जताते बातें करना, या बिना कोई खास दिन के तोहफ़ा या सरप्राइज़ देना।

एसी कई प्रवृत्तियां है जो पति पत्नी को ताउम्र नजदीकीयों से बाँधे रखती है। बस यही तो ज़िन्दगी की असली खुशी है, ये छोटेछोटे लम्हें जी लें तो रोज ही हनीमून है। रिश्तों की मांग पूरी करके देखिये प्यार कभी कम या ज्यादा नहीं होता प्यार को जताना पड़ता है, एक दूसरे को हमारी ज़िंदगी में खास महेत्व महसूस करवा कर भरपूर ज़िन्दगी का मज़ा ले सकते है॥

भावना ठाकर
भावु, बेंगुलूरु ।
www.womenexpress.in

पैसे मांगलो तो...

हर किसी को रोटी की
अहमियत सिखाने लगे है लोग।
अबतो चलते रस्ते औकात
दिखाने लगे है लोग।
जिसने कभी पैसों के अलावा
किसी को नही पूजा,
अबतो नास्तिक होकर भी
मंदिर जाने लगे है लोग।

जो जाया करते थे टाई लगाकर
रोज़ दफ़्तर को,
अब वही सब्जी का ठेला
लगाने लगे है लोग।
आया अब कोरोना ऐसा सबक
सिखाने कि,
अब घर मे ही बनी चीज़े खाने
लगे है लोग।

कोरोना में कमाई की हदें भी
पार की जिसनें,
अब वही एक एक करके
ऊपर जाने लगे है लोग।
पहले जो कहते थे कि मरने
की फुर्सत भी नही है,
अब वही फुर्सत में ज़हर खाने
लगे है लोग।

जो उड़ाया करते थे कभी
लाखों किसी महफ़िल में,
अब वही पैसा पाई पाई करके
बचाने लगे है लोग।
जो छाया है आजकल हमारे
बीच तंगी का दौर,
पैसे मांगलो तो हालत खराब
बताने लगे है लोग।

दामोदर विरमाल
इंदौर, मध्य प्रदेश ।
www.womenexpress.in

आज का रावण

कलयुग है कलयुग
आज का रावण
एक नहीं हर जगह
दिखाई देने लगे
खूनी खेल, बलात्कार ,
पाखंड ,दबाव डालना
आदि क्रियाएं
प्राचीन रावण को भी पीछे
छोड़ती दिखाई देने लगी
आकाशवाणी मौन
सब बने हो जैसे धृतराष्ट्र
जवाब नहीं पता किसी को
जैसे इंसान को साँप सूंघ गया
आवाज उठाने की
हिम्मत होगई हो परास्त
शर्मो हया रास्ता भूल गई
पहले के रावण का अंत
नाभि में एक बाण मार कर किया
आज के रावणों का अंत
कानून के तरकश में न्याय के तीर ने
कर डाला
जो उनको मानते /चाहते अब वो ही
उनसे मुँह छुपाने लगे
कतारे लगी जेलों में
उनकी अशोभनीय हरकतों से
आज के रावणों ने
आस्था के साथ खिलवाड़ करके
मासूमों का हरण करके
कई चीखों को दफ़न कर दिया
आज के इन रावणों ने
पूरी दुनिया इनकी हरकतों को
देख थू थू कर रही
आवाज उठाने वालों और न्याय
ने मिलकर
किया शंखनाद
उखाड दी इनकी जड़
गर्व है हिंदुस्तान के न्याय पर हमें
और खुशी आज के रावणों के
अंत की मगर चिंता ?
अब न हो कोई
आज के रावण जैसा पैदा
हिंदुस्तान धरा पर

संजय वर्मा
धार, मध्य प्रदेश ।
www.womenexpress.in

युग परिवर्तन के सूत्रधार... पटेल

युग परिवर्तन के कहलाते सूत्रधार,
राष्ट्र में नव चेतन का किए संचार।
सरदार पटेल की है आज जयंती,
वंदन और अभिनंदन बारम्बार।।

31अक्टूबर,1875 को जन्म हुआ,
कभी अन्याय सहन नही करते थे।
वर्णभेद के रहे वह प्रबल विरोधी,
सरदार सादा जीवन ही जीते थे।।

छोटीछोटी कई देसी रियासतों का,
स्वतंत्र भारत वर्ष में विलय किया।
दूरदर्शिता और कूटनीति के कारण,
देश का उन्हें लौह पुरुष कहा गया।।

जयंती पर हमें गर्व की है अनुभूति,
आज एकता दिवस हम मना रहे हैं।
उनके विचारों आदर्शों पर चलने का,
शपथ आज हम सभी खा रहे हैं।।

बारडोली सत्याग्रह जब सफल हुआ,
पटेल को सरदार की उपाधि मिली।
562 छोटी बड़ी रियासतों का विलय,
आम अवाम के चेहरे पे मुस्कान खिली।।

सरदार भारत के बिस्मार्क कहे जाते,
बहुत साधारण कुल में वह जन्म लिए।
शक्ति व विश्वास की उनकी नीति रही,
देश के विकास में सदैव योगदान दिए।।

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

बैठा नाक गुरूर !!

नई सदी ने खो दिए, जीवन के विन्यास !
सांससांस में त्रास है, घायल है विश्वास !!
रिश्तों की उपमा गई, गया मनों अनुप्रास !
ईर्षित सौरभ हो गए, जीवन के उल्लास !!
कहाँ हासपरिहास अब,और बातें जरूर !
मिलने ना दे स्वयं से, बैठा नाक गुरूर !!

बोये पूरा गाँव जब, नागफनी के खेत !
कैसे सौरभ ना चुभे, किसे पाँव में रेत !!
दीये से बाती रुठी, बन बैठी है सौत !
देख रहा हूँ आजकल,आशाओं की मौत !!
कहाँ सत्य का पक्ष अब, है कैसा प्रतिपक्ष !
हाँक रहा हो स्वार्थ जब, बनकर सौरभ अक्ष !!
सपने सारे है पड़े, मोड़े अपने पेट !
खेल रहा है वक्त भी, ये कैसा आखेट !!
रख दे रिश्ते ताक पर, वो कैसे बदलाव !
षडयंत्रकारी जीत से, सही हार ठहराव !!

डॉ सत्यवान सौरभ
दिल्ली यूनिवर्सिटी
www.womenexpress.in

वो चाँद सलोना

बादलो मे छिपे कभी ,आसमान में
नज़र आए।
आँखमिचोली क़र मन लुभाए रे,
वो चाँद सलोना।।

आसमाँ विशाला वो है अकेला,
फिर भी ना घबराए।
नित रोशनी फिर से चमकाए रे,
वो चाँद सलोना।।

बिना किसी चाहत के,बिन आस के
बस चमकता ।
चाँदनी बिछाने आसमाँ मे आए रे
वो चाँद सलोना।।

मैं उसको निहारू,एकटक देखूँ
वो भी मुस्काये।
ना देखूँ तो, खिड़की पर आए रे
वो चाँद सलोना।।

तन्हाई का कभी गम नही करता।
खुद में मग्न रहना
मौज में अपनी रहना,सिखाए रे
वो चाँद सलोना।।

दूरियों की रिश्तों में परवाह
ना करना
दूर होकर प्रीत सच्ची निभाए रे
वो चाँद सलोना।।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

सब अपना परिवार है

सब अपना परिवार है
प्रेम आत्म उद्धार।
युगों युगों से चल रहे,
दीजे नहीं बिसार।।
पीढ़ी दर पीढ़ी चले, यही संग परिवार।
जीवन जीने की कला,
सीख यही का सार।।
माँ का जहाँ प्रकाश हो,
घर वाणी का तार।
सम्बल है विश्वास का,
जीवन के संस्कार।।
मंदिर की है आरती, संस्कारों का ज्ञान।
माँ को नमन जहाँ करें,
वही रहे भगवान।।
माँ से घर परिवार है,
माँ ही तीर्थ धाम।
सुख दुख मिलकर बाँटते,
माँ तेरा है नाम।।
रिश्तें सारे मतलबी, कच्चे है व्यवहार।
कहें भारती इस समय,
बिखर गए परिवार।।

मंगलव्यास भारती
चूरू, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

प्रेम दो दिलों को जोड़ने का मंत्र है

प्रेम दो दिलों को जोड़ने का मंत्र है।
प्रेम आस्था और विश्वास का सूत्र है।
प्रेम एक मधुर रसधारा का
एहसास है।
प्रेम पवित्रता का रक्षाबंधन है।
प्रेम निश्चल, अविरल बहता झरना है ।
प्रेम ईश्वर का अद्भुत उपहार है,
प्रेम सुबह शाम उजाले की
रोशनी है।
प्रेम गंगा सी पवित्र धारा है।
प्रेम काबा और कैलास है।
प्रेम प्रेमियों के दिलों में प्रणय
संबंध है।
प्रेम प्रियतमा का जीवनाधार है।
प्रेम मातापिता के अमृत का ताल है।
प्रेमभाई बहन का अटूट पवित्र
रिश्ता है।
प्रेम जनमन के संबन्धों का आधार है।

प्रेम रत्नों से भी कीमती
अनमोल तोहफा है।
प्रेम प्रेमियों का प्राण तत्व है,
जो जीवन जीने की कला
सिखाता है।
प्रेम आदरसम्मान का कोमल दर्पण है।
प्रेम सुई धागे का धागा है,
जो निर्मल दिल के कपड़े को
मन से सी देता है।
प्रेम धरती और आकाश से भी
विस्तृत है।
प्रेम हिमालय से भी ऊंचा और
सागर से भी गहरा है।
प्रेम जाति धर्म ग्रंथोंपंथों के
बंधन से मुक्त हैं ।
प्रेम सिर्फ संबंधों की तुरपाई से
युक्त है।
प्रेम आत्मा और परमात्मा की
प्रतीती है,
जो ईश्वर भक्ति में दीप और
बाती की तरह
जलकर खुशबू फैलाता है।
प्रेम ना अमीर है न गरीब है,
दुनिया की बस्ती में पलता
फलता है।

प्रेम तपसाधना का धाम है,
जो मानव के मुक्ति का मार्ग
सिखलाता हे।
प्रेम कल्याण का हथियार है,
जो जीवन सहजसरल बनाता है।
प्रेम आरती और अजान है,
जो दरिद्र नारायण बनकर
प्रेम भक्तों पर आनंद की वर्षा
करता है।
प्रेम शाश्वत ईश्वर का वरदान है।
प्रेम सूर्य चांद तारे हैं,
जो सौरमंडल का प्राण है।
प्रेम देशदुनिया में सर्वत्र व्याप्त है।
बस सच्चे प्रेम का शाश्वत
अस्तित्व प्राप्त है।
प्रेम सच्चाई से सुलगता(उमड़ता)
आनंद का पोखर है।
प्रेम मां की करुणा का सागर है।
प्रेम परमपिता सा परमानंद है।
प्रेम,बिन रस्सी की डोरी है
जो दुनिया को अपनी खुशबू से
बांधे रखती है।

डॉ. कांति लाल यादव
माली कॉलोनी, उदयपुर ।
www.womenexpress.in

नहीं मानती हार

सत्य नदी चलती सदा, तूफानों में यार ,
पर्वत को भी चीरती, नहीं मानती हार।
जीवन की कुछ उलझनें, चलें सदा ही साथ,
इक जाती तो दूसरी, पकड़े हरदम हाथ।
जीवन के इक रंग में ,रंग दूसरा घोल,
नया रंग जो बनेगा, वो होगा अनमोल
कोई मीठा बोलता, कोई बोले खार
जो जैसा है बोलता, वैसा पाए प्यार
मीठी वाणी से सजे ,ये अनुपम संसार,
कटु वाणी जो बोलता, वो पाता धिक्कार।

महेंद्र कुमार वर्मा
पुणे ।

सुबह का भूला

सुबह का भूला,
अगर शाम तक अपनी,
गलती मान जाता है।

जिंदगी की अहमियत,
वक्त की कद्र, अपनों का दर्द,
दुआओं का असर, पहचान जाता है।

उसकी भूल को,
शाम तक, हर कोई, भूल जाता है।
सुबह का भूला
अगर शाम तक
जिंदगी की कद्रों कीमतों को,
पहचान जाता है।
प्यार की, कोई कीमत नही,
यह जान जाता है।
उसकी भूल को, शाम तक,
हर कोई भूल जाता है।

सुबह का भूला,
अगर शाम तक भी....
नही समझ पाता है।
अपने साथ, कई अपनों की,
भावनाओं को ठेस जाता है।
फिर वो जिंदगी भर,
नहीं समझ पाता है।

प्रीति शर्मा
नालागढ़, हिमाचल प्रदेश।
www.womenexpress.in

अपने तो हुए सपने से

टूट टूट कर बारबार
जुड़े है हम हजार बार
कमख्त अब तो इश्क
सी हो गई है जख्मों से।

हम तो न मरे अब तक
अनगिनत झूठी कसमों से।
किसने यह अफवाह फैलाई
हम डरते हैं अंधेरी रात से
पत्थरों की क्या औकात
हमने खाई है ठोकरे कईकई बार
सेमल के फूलों से ।

हमने सँवारा है खुद को
असंख्य बददुआवों से
अब तो उम्मीद भी नहीं
कुछ होगा किसी के दुआओं से ।

ये जख्म लगते
सचमुच बहुत अपने से
अपने तो हो गए है
बहुत पहले ही सपने से।

स्वाति पाण्डेय
कोलकाता, पश्चिम बंगाल ।
www.womenexpress.in

ममता का सागर

भरा नही जो कभी तेरे प्यार
से खाली गागर है
कितनी प्यारी है सच माँ तू
ममता का सागर है

संघर्ष भी नतमस्तक है माँ
तेरा संघर्ष देखकर
भगवान भी तेरी गोद मे गए हैं
यहां पर खेलकर
माँ के लिए उसकी औलाद
ही उसका संसार है

तेरी महिमा सारे संपूर्ण
जग में माँ परंपार है
तुझ से ही परिवार माँ
तुझसे ही सबका घर है
कितनी प्यारी हैं सच माँ तू
ममता का सागर है

महेश राठौर सोनू
राजपुर गढ़ी, मु0 नगर
www.womenexpress.in

काले मेघा काले मेघा...

काले मेघा, काले मेघा, उमड़
घुमड़ धरा पर कहाँ से आए हो ,
छली गई शकुंतला के लिए, क्या
संदेशा किसी दुष्यंत का लाए हो।

विश्वास तोड़ा जिसने क्या उसने
भी कोई मेघदूत लिखा है ,
तेरे परों पर उसने अपनी वफ़ा
का, क्या कोई सबूत लिखा है,
बिरहा में जलते दिल का, रुदन
क्या तुम बरसाने आए हो..
काले मेघा काले मेघा....

पुलकित काया, प्रफुल्लित मन,
अपना समर्पित सब किया,
रीत ये कैसी जग की, वफ़ाओं
को क्यों नहीं आदर दिया ,
चोट लगी थी दिल में गहरी,
क्या तुम मरहम लगाने आए हो...
काले मेघा काले मेघा....

कैसे बीता तुम बिन हमारा दिन
, काटी कैसे काली रातें ,
कैसे अकेले ही सहा सब
हमने, सुनी कैसे जमाने की बातें,
इश्क में ठोकर खाकर कैसे
संभलेगें, क्या ये समझाने आए हो
काले मेघा काले मेघा...

सच्ची प्रीति बिन धरती प्यासी,
कभी गगन भी प्यासा होता है ,
तड़पता है दिल उसका, मिलन
की चाह में चुपकेचुपके रोता है,
अग्नि सी प्यास जगी जो मन
में, क्या तुम बुझाने आए हो...
काले मेघा काले मेघा....

वृंदावन में रास रचाकर छोड़
गया था, जो तड़पती प्रीत को ,
उलझन कुछ सुलझे मन की,
भेज पैग़ाम मनाले रूठे मीत को
उसके भेजे उद्धव बन आए,
क्या तुम ज्ञान की गठरी लाए हो ....
काले मेघा काले मेघा....

प्रीत भूलाकर आगे बढ़ जाना,
ये तो कभी मुश्किल ही ना था,
तुम्हारे जैसे ठगते कैसे हम,
हमारे साथ हमारा दिल ही ना था,
गरज गरज इस दिल को, क्या
तुम धमकाने आए हो..
काले मेघा काले मेघा....

ममता प्रवीण
करनाल, हरियाणा ।
www.womenexpress.in

बस इतनी तमन्ना है

तमन्ना है तेरे पहलु में सदा रहूं
मैं , तु हो हीर मेरी तेरा रांझा बनूं मैं
कभी बनूं मैं तेरे माथे की
बिंदिया , कभी बन के बाली कानों
को चूमा करूं मैं ,
पी जाए जिसे तु तमन्ना है मैं वो
आंसू बनूं ।
बन के नथनी नासिका की
लबों को छुआ करूं मैं , बनूं कभी
पान मीठा ,
तेरे रस में रम जाया करूं मैं ,
तुम पियो जिसे प्यार से लेते हुए
चुस्कियां,
वो शरबत मीठा बना करूं मैं ।
बन के तेरे गले का हार सीने पे
झूला करूं मैं , बस इतनी इज़ाजत
दे दो ,
कंगन तेरे हाथ का बनूं मैं ,
बन के आंचल तेरा तुझसे लिपटा
करूं मैं ,
बन के नगीना तेरी मुद्रिका का
तेरी अंगुली में सजा करूं मैं ,
तेरे बालों का गजरा बनूं गेसुओं
में सजा करूं मैं , मोहब्बत है इतनी
तुमसे मुझे ,
ना बन सकूं कुछ तो ,तेरी
पायल का घुंघरू बनूं मैं , लगे जब
जब कदम तुम ज़मीं पर ,
संग पायल के झनकार करूं मैं
बस चाहत इतनी सी कि तुझे छुआ
करूं मैं ।
नहीं मंजूर तुझे ग़र इतनी अर्ज़
मान लो , बन जाऊं बिछावन
,चांदनी रातों में तेरे
लिए बिछा करूं मैं , बन के
ओस की बूंद कभी सुर्ख गालों पे
ढलकूं ,
कभी कस्तुरी से तेरी खेला करूं ।
चाहत इतनी सी बेइंतहा तुझसे
मोहब्बत करूं मैं ।
हां बस यही तमन्ना सिर्फ
तुमसे ही तुमसे मोहब्बत करूं मैं ।

प्रेम बजाज,
जगाधरी (यमुनानगर) ।
www.womenexpress.in

पल पल

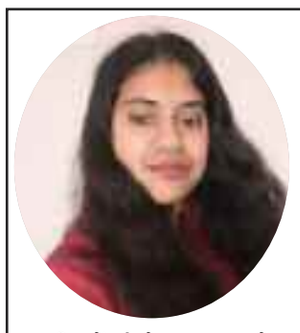

सितारों की सेज़ पर सवार हो
वो चाँद के पार चलता था
चाँद को छूने की ख्वाइश लिए
वो पल पल आगे बढ़ता था।।
कभी सीढ़ियों पर चढ़ता वो
कभी रस्सी पर उछलता था
नई जिज्ञासाओं की बारिश लिए
पल पल आगे बढ़ता था।।
अपने सपनों को पूरा करने के लिए
वो गिरता था फ़िर सम्भलता था
वो दिन रात अपनी कहानी
लिए अपनी मुरादें पूरी करता था।।

अपनी ज़िंदादिली की जवानी
लिए वो अपनी ही ज़िद से
लड़ता था।।
वो तो संभावनाओं की ख्वाइश
लिए पल पल आगे बढ़ता था।।
उम्मीदों के ताने बाने को
अपनी इच्छाओं से गढ़ता था
अपनी आशाओं के खज़ाने को
अपनी आकांक्षाओं से समझता था
वो अपनी आदत पुरानी लिए
अपनी मुरादें पूरी करता था
वो अपनी ही बल बुद्धि से
लड़ता था झगड़ता था
वो उत्साहित होने की नुमाइश
लिए पल पल आगे बढ़ता था।।

अंकिता वीरेंद्र नारायण
श्रीवास्तव
राजद्वार अयोध्या, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

जिन्दगी की तरह

लफ्ज़ कागज़ पर कुछ यूं
सिसकते रहे,
जैसे दर्द घुल गया हो स्याही
की तरह।

होठ चुपके से कुछ यूं
थरथराए से थे,
जैसे छलके हो जाम मयकशी
की तरह।

भर कर भी रहीं अंजुरी
खाली मेरी,
मैंने ज़िन्दगी को जी मसखरी
की तरह।
मुमकिन ही नहीं मैं तुम्हे भूल जाऊ,
मैंने चाहा तुम्हें बंदगी की तरह।

सबको सुलझा दिया खुद
उलझी रही,
मेरा हर पल कटा बेबसी की तरह।
राह कांटों ने था क्या
सजाया सनम,
हम महकते रहे गुलनशी की तरह।
बात बात में रोने का क्या फायदा,
मैंने जी ज़िन्दगी ज़िन्दगी की तरह ।

करुणा कलिका,
बोकारो स्टील सिटी, झारखंड ।
www.womenexpress.in

असफलता ही बीज पूंज हैं

हर मन की आश और विश्वास,
लगा काम में ले पुरी श्वास,
सफल हो हर आज मेरा काज,
ना मिले मुझे असफलता
का ताज।।

यों तो नही कम असफलता
का राज,
भर देता मन में जीत की आश,
तनिक चुका हूँ नही हो निराश,
ले सबक बन जाता सरताज।।

असफलता ही बीज पूंज हैं,
भर देता हर मन में गूँज हैं,

राह मेरी थी थोडी विकृत,
बस करना हैं उसे सुसंस्कृत।।

सफल वो ही हैं हो सकता,
जो रखे अनुभव
असफलता का,
अनुभव ही तो हैं ज्ञान बढता,
वही वरण करवाता
सफलता का।।

मदन सिंह सिन्दल
सादडी, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

भारत वर्षः राष्ट्रीय एकता दिवस

कल दशहरा मनाया था, आज
ईद मनाएँगे;
कल खीर खिलाई थी, आज
सिवाईयाँ खिलाएँगे;

कभी गुरुपर्व, कभी क्रिसमस
की बधाई देने आएँगे;

सारे त्यौहार मिलजुल कर मने,
तभी तो सच्चे हिंदुस्तानी कहलाएंगे!
वेदों की ऋचाओं सा हो हमारा
विश्वास,

कुरान की आयतों सी हो हर आस,
गुरबानी हो या प्रेयर, या हो महारास,
किस बात पे तर्क करें? सब
कुछ तो है हमारे पास!

हमेशा हम बने रहे एक दूसरे
का सहारा,
और सदा बना रहे ये अटूट
भाईचारा;

सारे देशों में सबसे अनोखा
और प्यारा
ये भारत वर्ष हमारा ये भारत
वर्ष हमारा!

रूना लखनवी
www.womenexpress.in

मन- एक कोमल पाषाण

उत्सुकता, विनम्रता, सौम्यता से
सज्जित,
चंचलता और स्थिरता का संगम,
रंगबिरंगे विचारो के नौके मे सवार ,
निरंतर गतिमय त्रिशंखु सा है ये मन।
उम्मीदो की पतवार को थामे ,
संकल्प लेता है अड़िग रहने का,
ह्रदय रहता है असमंजस मे ,
और आशा लिए रहते सदा ये दो नयन ।
मन ये है कोमल पाषाण के जैसे ,
प्रेम मिले तो खिले कमल सा ,
जो मिले दगा तो बिखर पड़े,
जैसे पतझड़ मे उपवन।

नंदिता माजी शर्मा (तितली)
मुंबई, महाराष्ट्र ।
www.womenexpress.in

रुतुराज और जडेजा ने सुपरकिंग्स को दिलाई जीत

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

दुबई, 30 अक्टूबर । सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ के अर्धशतक के बाद रविंद्र जडेजा की तूफानी पारी से चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के उतार चढ़ाव भरे मुकाबले में गुरुवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को छह विकेट से हराकर उसकी प्ले आफ में जगह बनाने की राह मुश्किल कर दी। नाइट राइडर्स की हार के साथ गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स की टीम प्ले आफ में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बनी। नाइट राइडर्स ने सलामी बल्लेबाज नितीश राणा की 61 गेंद में 10 चैकों और चार छक्कों की मदद से 87 रन की पारी से पांच विकेट पर 172 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज

शुभमन गिल (26) और दिनेश कार्तिक (नाबाद 21) ने भी उपयोगी पारियां खेली। अंतिम पायदान पर चल रही और प्ले आफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी सुपरकिंग्स की टीम ने इसके जवाब में रुतुराज की 53 गेंद में छह चैकों और दो छक्कों से 72 रन की पारी और अंबाती रायुडू (38) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 68 रन की सझेदारी के बाद जडेजा (11 गेंद में नाबाद 31, दो चैके, तीन छक्के) के तूफान से 20 ओवर में चार विकेट पर 178 रन बनाकर जीत दर्ज की। नाइट राइडर्स की ओर से वरूण चक्रवर्ती ने 20 जबकि पैट कमिंस ने 31 रन देकर दो दो विकेट चटकाए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। इस हार के बाद नाइट राइडर्स की टीम के 13 मैचों में छह जीत से 12 अंक हैं और टीम पांचवें स्थान पर है। सुपरकिंग्स के इतने ही मैचों में 10 अंक हैं। लक्ष्य का पीछा करने उतरे सुपरकिंग्स को शेन वाटसन (14) और रुतुराज गायकवाड़ की जोड़ी ने 50 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई।

रुतुराज सबसे प्रतिभावान खिलाड़ियों में से एकः धोनी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

दुबई, 30 अक्टूबर । रुतुराज गायकवाड़ को इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी छाप छोड़ने में थोड़ा समय लगा लेकिन वह चेन्नई सुपर किंग्स के अपने कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को प्रभावित करने में सफल रहे जिन्होंने इस युवा सलामी बल्लेबाज को 'सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक' करार दिया।

गायकवाड़ ने लगातार दूसरा अर्धशतक जमाया जिससे चेन्नई ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ छह विकेट से जीत दर्ज की। चेन्नई ने प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के बाद कुछ नये खिलाड़ियों को मौका देने का फैसला किया

जिनमें गायकवाड़ भी शामिल था। गायकवाड़ को मैन आफ द मैच चुना गया। धोनी ने मैच के बाद कहा, ''रुतुराज को हमने नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखा था लेकिन इसके बाद वह कोविड19 पॉजिटिव पाया गया और 20 दिन बाहर हो गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण रहा लेकिन वह इस सत्र को याद रखेगा। वह सबसे प्रतिभावान खिलाड़ियों में से एक है।'' उन्होंने कहा, ''वह हालांकि काफी कम बोलता है जिसके कारण कभी कभी टीम प्रबंधन को खिलाड़ी को परखने में दिक्कत होती है।

जब उसने बल्लेबाजी शुरू की तो आप देख सकते हैं कि वह गेंद को उसी तरह हिट कर रहा था जैसे चाहता था और जो उसने योजना बनाई थी।'' नाइट राइडर्स ने सलामी बल्लेबाज नितीश राणा की 61 गेंद में 10 चैकों और चार छक्कों की मदद से 87 रन की पारी से पांच विकेट पर 172 रन बनाए।

भोपाल में शूटिंग कर रही हैं स्वरा भास्कर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 30 अक्टूबर। अभिनेत्री स्वरा भास्कर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और अपने विचारों को बेबाकी से सबके सामने रखती हैं जिसकी वजह से उन्हें कई बार ट्रोलर्स का सामना भी करना पड़ता है।

स्वरा भास्कर इन दिनों भोपाल में हैं और उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में वह कार में बैठकर मेकअप कराती दिखाई दे रही हैं। स्वरा भास्कर को सुबह 3:30 बजे शूटिंग के लिए तैयार होना पड़ा। दरअसल इन दिनों भोपाल शहर में वेब फिल्म 'मीमांसा' की शूटिंग चल रही है। फिल्म में अभिनेत्री स्वरा भास्कर मुख्य भूमिका निभा रही हैं। स्वरा भास्कर ने ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने लिखा'बेशक हम बेहाल थे! सुबह के 3:30 बज रहे थे..यह पूरी तरह रैंडम है, बिहाइंड द सीन दिखे शॉट्स के बीच क्या होता है। मैंने सोचा कि हर किसी की टाइमलाइन को स्पैम करूंक्योंकि क्यों नहीं?!?!? रैंडम।' वीडियो में स्वरा भास्कर कार में बैठकर अपना मेकअप करवा रही है और वह शॉल

ओढ़ी हुई है। वीडियो में वह कह रही हैं मैं ठाकुर बन चुकी हूं। स्वरा भास्कर ने शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है। स्वरा ने ट्विटर पर कुछ तस्वीरें शेयर कर लिखा'कुछ शॉट्स सभी के इंतजार के बीच से, शॉट्स, भोपल, बैकएटवर्क।' बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर अपने ट्वीट्स को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। स्वरा सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली बॉलीवुड सेलेब्स में से एक हैं। वह सोशल मीडिया पर राजनीतिक और गैर राजनीतिक विषयों पर खुलकर अपने विचार व्यक्त करती हैं।

स्वरा भास्कर ने माधोलाल कीप वॉकिंग फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था और उसके बाद निल बटे सन्नाटा, तनु वेड्स मनु, रांझणां और वीरे दी वेडिं जैसी शानदार फिल्मों में नजर भी आई हैं। स्वरा भास्कर ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस कॉलेज से ग्रेजुएशन किया है, जबकि जेएनयू से उन्होंने पोस्ट ग्रेजुएशन किया है।

उत्तरी गोवा में कूड़ा निपटान का अभावः करण जौहर

मुंबई, 30 अक्टूबर । करण जौहर की फिल्म निर्माण कंपनी धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा उत्तरी गोवा में एक आउटडोर शूट के लिए नियुक्त किए गए लाइन प्रोड्यूसर दिलीप बोरकर ने ट्विटर पर एक बयान जारी कर फिल्म की शूटिंग के बाद फैलाए गए पीपीई और अन्य बायोमेडिकल अपशिष्टों की वायरल हुई तस्वीरों के पीछे का सच जाहिर किया है।

गोवा के रहने बोरकर ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा कि सोशल मीडिया पर तस्वीरों के वायरल होने से पहले ही मामले को संज्ञान में लिया गया था और साथ में स्पष्टीकरण भी दिया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तरी गोवा में अपशिष्ट निपटान प्रबंधन कंपनियों की कमी है, जहां फिल्म की शूटिंग की गई है। उन्होंने अपने बयान में कहा, पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर उत्तरी गोवा में कूड़े का अंबार लगे होने की तस्वीरें आ रही

हैं। कूड़ाकचरा फेंकने के लिए स्थानीय पंचायत द्वारा हमें यह जगह दी गई थी। फिल्म लाइन का प्रोड्यूसर होने के नाते फिल्म निर्माता ने मुझे कचरे के निपटान की जिम्मेदारी सौंपी थी। उन्होंने आगे अपने बयान में कहा, उत्तरी गोवा, जहां शूटिंग रखी गई थी, में अपशिष्ट निपटान प्रबंधन कंपनियों की कमी है। प्राइवेट वेंडर्स की कमी अनुपलब्धता के चलते मैं पंचायत के ही कचरा उठाने वाले कर्मियों को बुलाकर शूटिंग स्थल पर जमा हुए कचरे को अलग कर उन्हें इकट्ठा कर ले जाने के पैसे दिए थे। मेरी टीम ने जागरूकता के साथ हमेशा यह सुनिश्चित किया कि स्थानीय पंचायत के नियामानुसार इस जगह की हर रोज सफाई हो। वह आगे कहते हैं।

एक दिन सोमवार को दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से कचरा उठाने वाला ट्रक किसी अवरोध के चलते वहां नहीं आ पाया। इसकी सूचना मिलते ही मेरी टीम ने तुरंत एक अन्य स्पेशल ट्रक किराए पर लिया और कचरे को साफ भी किया।

रखना हिम्मत व साहस से बढ़ना सदा

रखना हिम्मत व साहस से बढ़ना सदा
मुश्किलों से भी डटकर ही लड़ना सदा
पड़ना कमज़ोर ना डरना इनसे कभी
सामना साहसी बनके करना सदा

ज़िंदगी धूप,छाँव से मिलकर बनी
हौंसलों के तुम आयाम गढ़ना सदा
नन्हीं चीटीं से तुम सीखना हौंसला
चढ़ना,गिरना,उतरना औ चढ़ना सदा

मुश्किलें आएँगी जाएँगी राह में
उनसे लड़कर ही फिर तुम सँवरना सदा
रखना हिम्मत व साहस से बढ़ना सदा
मुश्किलों से भी डटकर ही लड़ना सदा

प्रिया गोस्वामी
नॉर्थ घोंडा, दिल्ली ।
www.womenexpress.in

दीवानी है वो हाँ दीवानी है वो

दीवानी है वो हाँ दीवानी है वो
मेरे प्यार की वो हाँ दीवानी है,
गाल उसके लाल दिखते हैं सही
और आंखों में उसके पानी है

दीवानी है वो हाँ दीवानी है वो
बात करती है वो मुस्कुराती है वो
खिलखिलाती है वो शर्माती है वो
इयरफोन फिर चबाती चूमती है वो

उसके अंगों में नई रवानी सी है
दीवानी है वो हाँ दीवानी है वो
बोलती है रहूँ साथ हरदम तेरे,

बाहों में मुझको रहना है तेरे
अब तो लगता है वो मेरी रानी है
मेरे बाहों उसकी जवानी है ,

दीवानी है वो हां दीवानी है वो
मिलने को दिल आहें भरता सदा
ऐसे दिल में दोनों के कहानी है
मिल जाऊं उसे लग जाऊं गले

फिर चुमू उसे और लेके झूमू उसे
ऐसे ही दिल की मेरे कहानी है
दीवानी है वो हाँ दीवानी है वो ।

अंकुल त्रिपाठी
(प्रयागराज) उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

रणभूमि

यह विडंबना नहीं तो और क्या है?
बेटियों के लिए उनका आँगन
जैसे रणभूमि बन गया है।
जहाँ हर समय
अपना सतीत्व बचाने के लिए
लड़ना पड़ रहा है,
हर ओर फैले कौरवों के बीच
जैसे फँसा अभिमन्यु
बार बार मर रहा है।

आखिर बेटियां भी इस रणभूमि में
कैसे कब तक बचेंगी ?
या इसी तरह एक एक कर
दम तोड़ती रहेंगी?
या हम सब इंतजार में हैं कि
कोई कृष्ण फिर आयेगा
जो हमारी बेटियों की
लाज बचायेगा।
क्या तब तक बेटियों को
यूँ ही लड़ना होगा,
अपने ही भरोसे
जीना या मरना होगा।

सुधीर श्रीवास्तव
गोण्डा, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

जीत हमारी निश्चित है

सवाल तो कभी वर्ल्ड कप पे भी
उठे थे क्या भारत ट्राफी लाऐगा??
पर यकीं खिलाड़ियों को था
भारत परचंम इक दिन फहराएगा।

रानू मंडल को क्या पता था,
रेलवे स्टेशन
पे गाते हुए उसे प्लेटफार्म
मिलजाएगा।।।

नामुमकिन कुछ भी नहीं ये
मसिाल इंसा
खिलाड़ियों सीख विपदा में
अपनाऐगा।।

देखना एक दिन मोदी, भारत जीत
पा कोरोना पे विश्वविजयी कहलाएगा।

आज अमेरिका ने घुटने टेके
पर उसका टूटा
मनोबल यकीं है भारत ही
फिर बढ़ाएगा।।।

भारत ही पोलीयों, चिकन
पाक्स की दवा बनाया
वैसे ही कोरोना की दवा ईज़ाद
कर जाऐगा।।।।

देखना फिर एक बार विश्व में
सुपर पावर देश अमेरिका,भारत को
प्रणाम कर महान बतलाएगा।।।

जीत हमारी ही निश्चित है मोदी जी
सबका साथ देश में तूही पाएगा।।

स्वर्ण अक्षरों में एक दिन भारत
और मोदी नाम विपदा से निकाल
सितारों सा चमक आसमान में
जगमगाएगा।।
स्वर्ण अक्षरों में एक दिन भारत
और मोदी नाम विपदा से निकाल
सितारों सा चमक आसमान में
जगमगाएगा।।

वीना आडवानी
नागपुर, महाराष्ट्र ।
www.womenexpress.in

भर लूंगी बाहें फैलाकर

न कोई आहट, न कोई दस्तक,
न कोई दिखाई देता, फिर भी मुझे,
मालूम है जाने कैसे,
कि कोई आया है।
आँखों की, दहलीज पर,
ठहरा हुआ सा, कोई साया है?
एक खुशबू, एक जुस्तजू,
एक जादू, खामोशी का,

आँचल लहराया है।
हर कैद से आज़ाद, हवा जैसा।
न हकीकत, न कोई किस्सा,
फिर भी, पहचाना सा,
कोई आया है।
भर लूंगी बाहें फैलाकर,
ठंडी हवा के झोंके की तरह,
अपने आगोश में,
और बांध लूंगी।
दुपट्टे की किनारी पे,
टांक लूंगी।
उस सितारे को माथे पर,
इसी से शायद,
सुबह की किरन दिखे।

अभिलाषा सिंह,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

घाव खूरेज देता है आदमी

सवाल पर सवाल खड़े कर
घाव खूरेज देता है आदमी
चापलूसी मे लिप्त सदा
जमीर खो देता है आदमी

क्यों विद्रोह पनपता
कभी सोचता है आदमी
जुल्म सहते सहते जहाँ के
आग में सुलग जाता है आदमी

दाँव पेंच के खेल में
उलझ जाता है आदमी

दे जुबाँ को धार
अस्तित्व खो देता है आदमी

निष्पक्षता के नाम पर
मौन हो जाता है आदमी
जुल्म होते देख कर भी
मुँह मोड लेता है आदमी

अजीबोगरीब माहौल यहाँ
ठगा ठगा सा आदमी
हर दिन नये मुखौटे
पहनकर आ जाता आदमी

सोच समझ से दूर
पढ़ा लिखा है आदमी
सुनी सुनी बातों में आकर
अनपढ़ सा लगता आदमी

सारिका जागृति
सर्वाधिकार सुरक्षित
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

शरद पूर्णिमा

शरद पूर्णिमा का चांद ।
सोलह कला पूर्ण रूप ।
लावण्य मादकता पूर्ण ।
शोभायमान अंतरिक्ष मध्य ।
सकल जगत चांदनी ।
रश्मियों संग जगमगाता ।
अति अद्भुत ऊर्जा व्याप्त कर ।

निरोगी काया कर रोग भगाता ।
नेत्र ज्योति वृद्धि दायक ।
अमृत बरसाता शश्वेत,उज्जवल ।
प्रकाश सर,सरिता पर सुंदर छवि ।
दिखलाता रात्रि प्रभु नौका बिहार ।
कर सबके मन हर्षित कर ।
उल्लास बढा उत्सव मनाते ।
शरद पूर्णिमा की रात्रि ।
कृष्ण रास की स्मृति दिलाते ।

शरद पूर्णिमा रात्रि धरा पर ।
माता लक्ष्मी अवतरित हो ।
भूमंडल पर विचरण कर ।
आशीष देती रात्रि जागरण ।
रहवासियों को कोजागत पर्व मनाते।

रावण भी शरद पूर्णिमा ।
चंद्रमा की रशमियो से ऊर्जा ।
स्व नाभि में संचित कर ।
यौवानावस्था सदा पाता ।
पूरा अम्बर मुस्काता ।
भारत के घरों में खीर ।
गृह छत पर अमृत बरसने ।

हेतु रख अमृत मिश्रित खीर ।
प्रसाद रूप में ग्रहण करते ।
अनुपम छटा शरद पूर्णिमा ।
रात्रि दृश्य निहारना अति मन ।
भाए रात्रि सुंदर छवि देखदेख ।
दृग अपलक थकते ही नही ।

संगीता सूर्यप्रकाश
भोपाल, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

हे वीर सरदार प्रणाम तुम्हें

वल्लभ भाई सुत झवेरभाई
जन्म नडियाद मे पाया
31 अक्टूबर1875 मे एक
वीर सपूत
भारत माँ के आँचल में आया।
तब मां हृदय प्रफुल्लित हो बोल उठा
हे लाल प्रणाम तुम्हें
हे वीर सरदार प्रणाम तुम्हें।
बाल्यकाल से ही जिग्यासा थी
मां मुखमंडल छायी क्यों
निराशा थी।
क्यों अपने भारत में ही हम गुलाम हुऐ
किसान हमारे क्यों परेशान हुऐ
किसानों हेतु आन्दोलन चलाया।

तब मिला सरदार का नाम तुम्हें
हे वीर सरदार प्रणाम तुम्हें।
खंड खंड को जोड़ तुमनें
अखंड राष्ट्र का सृजन किया
बनें राष्ट्र शिल्पी वल्लभ
भारत को मनोहर रुप दिया
तब मिला बिस्मार्क का नाम तुम्हें
हे वीर सरदार प्रणाम तुम्हें।
बापू के अनुयायी थे तुम
खेड़ा से रण में रखे कदम
भर हुंकार बरदौली में
नही देगे लगान अब भारत के किसान
वाणी में थी सिंह गर्जना
उर में थे अनुराग नरम
हे भारत के लाल तुम्हें
हे वीर सरदार प्रणाम तुम्हें।
बढ़ी ख्याति अखिल हिन्द में
चूर किया सत्ता का भ्रम
अत्याचार के शासन का
दृढ होकर किया दमन
तुम युग शिल्पी हो बोला सबन

भारतीय सँस्कृति के रक्षक और पुजारी
है बारम्बार प्रणाम तुम्हें
हे वीर सरदार प्रणाम तुम्हें।
लौहपुरुष कह नमन किया
सदियों से जो नहीं था हुआ,
चंद दिनों में सफल किया
पांच सौ पैसठ रजवाड़ों को
कूटनीति से विलय किया.
जूनागढ़ से जनमत लेकर
कश्मीर से सुलह किया तुमनें
हे वीर सरदार प्रणाम तुम्हें।
सबक सिखा करके निजाम को
हैदराबाद में समर किया.
इस्पात के ढाँचे की सेवा का
नए रूप में गठन किया हे युग
शिल्पी वल्लभ लोहपुरुष राष्ट्र निर्माण
के आधार तुम्ही
हे वीर सरदार प्रणाम तुम्हें।

अमरजीत सिंह
कानपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

कहीं खोने लगे हैं लोग

रंगों ने अर्ज की हैं सादगी ,
दुनिया के रंग में हम भी रंगने
लगे हैं ...
जिन्दगी की भाग दौड़ में ,
मुझमें से मै ही अलग होने
लगे है ...
विकास के नित नए आयाम
छूने के लिए,
सही और ग़लत को चुनने लगे हैं...
रंगो ने अर्ज.....
मिल जाए ये सफलता का ताज,
अपनो में ही गैरों को ढूंढने लगे हैं
खैरियत क्या पूंछे अपनो की,
जिन्दगी की दौड़ में एक एक
को खोने लगे हैं...
रंगों ने अर्ज की हैं सादगी ,
दुनिया के रंग में हम भी रंगने
लगे हैं...

अन्तिमा बिन्द
सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

क्योंकि मैं एक नारी हूँ

हां मैं बदनाम हूँ, क्योंकि मैं
नारी हूँ।
कभी पुत्री, कभी पत्नी, तो
कभी माँ हूँ।
अपनों का घर छोड़ा था,
तुझे पाने की चाहत में,
फिर तुमने क्यों कहा,
तुम पराई घर से आई हो।
सपने तो तुमने भी दिखाये थे,
बड़े बड़े,
आज वही ख्वाइसें लाई हूँ।
हां मैं बदनाम हूँ, क्योंकि मैं
नारी हूँ।
उस युग की सीता को भी नहीं छोड़ा,

मैं तो एक साधारण सी नारी हूँ।
ख्वाब तो तुमने भी दिखाये थे,
बराबर अधिकार का,साथ
निभाने का,
नये सफलता को चढ़ने का,
नये उचाई को छुने का।
तेरी हर गलती को माफ़ किया,
तुझे हमेशा खुदा का दर्जा दिया।
तेरे हरेक कदम के साथ चलने
का फैसला किया,
फिर भी मैं बदनाम हूँ,क्योंकि
मैं नारी हूँ।
छोड़ा था मैंने भी,
अपने ख्वाबों को,तेरे लिए।
क्योंकि तुम ही काफ़ी थे,
मेरे ख्वाइसों के लिए।
तेरे लिए तो मैंने सबकुछ छोड़ा था
हां इसलिए मैं बदनाम हूँ।
क्योंकि मैं नारी हूँ।
हां मैं एक नारी हूँ, मैं एक नारी हूँ।

रानी राज
नरपतगंज, बिहार ।
www.womenexpress.in

समझौते मेरे हिस्से

ये आज का कोई नया खेल नहीं
जिसका किसी से कोई मेल नहीं
ये आए दिन के हैं किस्से
अकसर ही आ जाते हैं
समझौते मेरे हिस्से

जब भी कुछ हो बात कभी
अपनों में मन मोटाव कभी
तो ये दिल मेरा, समझा देता है
मुझको
तुम समझदार हो सखी
सह लो बस चुपके चुपके
ये आए दिन के किस्से
अकसर ही आ जाते हैं
समझौते मेरे हिस्से

गलती हो या नहीं हो तब भी
सबका रोअब रहे मुझ पर
मैं सब कुछ अपने पर सहती रहूँ

एक गाय की तरह बनकर
इसी बात का फायदा उठाते हैं
शायद सब, यहीं पर बनते किस्से
अक्सर ही आ जाते हैं
समझौते मेरे हिस्से

लेकिन इन समझौतों से भी
खुश रहती हूँ मैं अकसर
सोचती रहती हूँ सदा यही
कि वाहेगुरु करूँ ना कुछ
मैं कभी हद से बढ़कर
ऐसे ही जिंदगी बीत जाए बस
जो बची है मेरे हिस्से
अक्सर ही आ जाते हैं
समझौते मेरे हिस्से

करमजीत कौर
श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब ।
www.womenexpress.in

दुनियां ...

दुनियां के सामने ये ,
अपनी रोटी सेकतें हैं ।

बातें करते नहीं ये छोटी ,
लंबी लंबी फेकतें हैं !!

माल खजाने अपने भरने ,
पांच साल में आते हैं ,

जनता के चरणों में गिरकर ,
फिर माथा अपना टेकते हैं !!

सुनील पोरवाल
मनासा, मध्यप्रदेश ।

आंसू जब अंगार बनेंगे

आँसू जब अंगार बनेंगे।
तभी पंख तलवार बनेंगे।

नही जरूरत है अब तुमको,
जुल्म किसी का सहने की।
तुम्हे बदलनी होगी खुद ही,
आदत ये चुप रहने की।

तोड़ के चुप्पी मुँह खोलोगी,
शब्द तुम्हारे बाण बनेंगे।
मैं नही कह रहा त्यागो तुम,
अपने मन की अभिलाषा को।

पर तुम्हे समझना होगा खुद ही,
नारी की परिभाषा को।
जब समझोगी स्वाभिमान को,
तब सपने साकार बनेंगे।

फूलों से ज्यादा कोमल हो,
पर पत्थर भी बन सकती हो।
वक्त पड़े तो तेज धार का,
नश्तर भी बन सकती हो।
तब चूड़ी बिंदिया कंगन सारे,
शक्ति का हथियार बनेंगे।

जिस पुरूष को तुमने जन्म दिया,
वह तुमको पुरूषत्व दिखाता है।
तेरे भोलेपन के गुण का,
वह निश्चित ही लाभ उठाता है।

तुम निर्भय होकर करो सामना,
ये खुद ही सूत्रधार बनेंगे।

क्या भूल गई लक्ष्मीबाई को,
वह एक साहसी नारी थी।
अंग्रेजों की बड़ी फौज पर,
वही अकेली भारी थी।
जब तुम फूलन बन जाओगी,
तब पापी खुद संहार बनेंगे।

तुम भोग बिषय की वस्तु नही,
न ही तुम कोई खिलौना हो।
स धरती पर सबसे सुन्दर,
कुदरत का उपहार सलोना हो।

तेरे ऊँचे संस्कार ही,
प्रेरणा का आधार बनेंगे।

रमाकान्त चौधरी
www.womenexpress.in

एक नजर

भुवनेश्व एम्स में दो नवम्बर से बहाल होंगी ओपीडी सेवाएं

भुवनेश्वर । भुवनेश्वर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने करीब तीन महीने बाद अपने बाह्य रोगी विभाग की सेवाएं दो नवम्बर से फिर शुरू करने का फैसला किया है। एम्स भुवनेश्वर ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, ''बढ़ती मांग और मरीजों की जरूरत को पूरा करने के लिए हमने दो नवम्बर से ओपीडी सेवाएं शुरू करने का फैसला किया है।'' कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए उठाए गए कदमों के मद्देनजर 10 जुलाई से ओपीडी बंद है। बयान में कहा गया कि आठ नवम्बर तक एक दिन में केवल 30 मरीजों का पंजीकरण ही किया जाएगा। इसके बाद नौ नवम्बर से एक सप्ताह तक के लिए 50 मरीजों का पंजीकरण किया जाएगा और फिर स्थिति का आकलन कर धीरे धीरे इस संख्या को बढ़ाया जाएगा।

कोरोना काल के बीच प्रयागराज में होगा माघमेला, सरकार तैयार

मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने माघ मेले की तैयारियों की समीक्षा की

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ 30 अक्टूबर । मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने प्रयागराज में आयोजित होने वाले माघ मेले की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि माघ मेले की सभी तैयारियों को समस्त सम्बन्धित विभाग समय से पूरा करें तथा जिन कार्यों की स्वीकृति प्राप्त की जानी हो, तद्विषयक कार्ययोजना के साथ सम्यक प्रस्ताव तत्काल उपलब्ध कराएं। उन्होंने प्रमुख सचिव, आवास को इस सम्बन्ध में एक परिपत्र सभी सम्बन्धित विभागों को भेजने को कहा।

उन्होंने कहा कि माघ मेले में आने वाले कल्पवासियों के लिए कोविड प्रोटोकॉल के दृष्टिगत सभी जरूरी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कर ली जाएं। स्वच्छता, सैनेटाइजेशन, सोशल डिस्टेंसिंग एवं सुरक्षा आदि के लिए सभी जरूरी इंतजाम किये जाएं। कल्पवासियों को गंगा जी का अविरल और निर्मल जल उपलब्ध कराने के लिए भी समय से सभी जरूरी उपाय अभी से सुनिश्चित कर लिये जायें।

मुख्य सचिव ने कहा कि कोविड19 के दृष्टिगत जिला प्रशासन धार्मिक एवं कल्पवासी संस्थाओं के पदाधिकारियों के बात कर उन्हें सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क, सैनेटाइजेशन आदि के बारे में जागरूक करें तथा कल्पवास के लिए आने वाले लोगों को जागरूक करने में उनका सहयोग प्राप्त करें। उन्होंने

कहा कि कोविड के दृष्टिगत पूरी सावधानी एवं सतर्कता बरतते हुए ही सभी जरूरी व्यवस्थाएं की जानी हैं। उन्होंने बैठक में उपस्थित लोक निर्माण विभाग, ऊर्जा, सिंचाई पर्यावरण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जल निगम, गृह, पर्यटन सहित सम्बन्धित विभागों को अपनीअपनी कार्ययोजना सहित सम्यक प्रस्ताव तत्काल उपलब्ध कराने तथा माघ मेले के लिए सभी जरूरी कार्यों को समय से शुरू कराकर मेला प्रारंभ होने से पूर्व उच्च गुणवत्ता एवं निर्धारित मानक के अनुरूप पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी प्रयागराज ने माघ मेले के लिए की जा रही तैयारियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कोविड19 के दृष्टिगत सभी जरूरी व्यवस्थाएं की जायेंगी तथा इसमें पूरी सावधानी एवं सतर्कता बरती जायेगी। धार्मिक संस्थाओं से निरन्तर सम्पर्क में रहकर वार्ता की जा रही है तथा उनका पूरा सहयोग लिया जायेगा।

जिलाधिकारी प्रयागराज ने बताया कि इस बार 538.34 हेक्टेयर में माघ मेला प्रस्तावित है, जिसमें 04 सेक्टर होंगे। मुख्य स्नान 14 जनवरी को मकर संक्रांति, 28 जनवरी को पौष पूर्णिमा, 11 फरवरी को मौनी अमावस्या, 16 फरवरी को बसन्त पंचमी, 27 फरवरी को माघी पूर्णिमा तथा 11 मार्च, 2021 को महा शिवरात्रि का है। मेले में लोक निर्माण विभाग द्वारा पान्टून ब्रिज, चेकर्ड प्लेट पाथवे, साइनेज का कार्य, जल निगम द्वारा पेयजल व ड्रेनेज सम्बन्धी कार्य, पॉवर कारपोरेशन द्वारा सबस्टेशन, विद्युत लाइनों का निर्माण, स्ट्रीट लाइट्स व माघ मेले के शिविरों में विद्युत कनेक्शन आदि के कार्य, स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोविड के दृष्टिगत सभी जरूरी व्यवस्थाएं हॉस्पिटल्स, डॉक्टर्स एण्ड पैरामेडिकल की तैनाती, एम्बुलेन्स की व्यवस्था व सैनीटेशन के समस्त कार्य सिंचाई विभाग द्वारा रिवर ड्रेजिंग एवं जेटी का निर्माण तथा गंगा पॉल्यूशन कन्ट्रोल यूनिट द्वारा सीवर की टेपिंग, एसटीपी आदि के कार्य किये जायेंगे।

बैठक में सभी सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण तथा वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से प्रयागराज के मण्डल एवं जिला प्रशासन के अधिकारीगण आदि उपस्थित थे। संचालन प्रमुख सचिव आवास एवं नगर विकास दीपक कुमार द्वारा किया गया।

भदोही : योगी सरकार का निर्देश महर्षि बाल्मीकि जयंती पर होगा रामायण पाठ

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

भदोही, 30 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार इस साल महर्षि बाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाएगी, इसके लिए राज्य के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है। संस्कृति मंत्रालय इसमें विशेष रुचि दिखा रहा है। भदोही जिलाधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने भी आदेश जारी कर अपरजिलाधिकारी शैलेन्द्र मिश्र को कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

जिला प्रशासन के निर्देश पर सात मंदिरों पर पर महर्षि बाल्मीकि जयंती यानी 31 अक्टूबर को बाल्मीकि रामायण का पाठ किया जाएगा। जिसमें सीतामढ़ी, हनुमान मंदिर ख़मरिया, नई बजार स्थित हनुमान मंदिर, राम जानकी मंदिर लिप्पन तिराहा, जीटी रोडघोसिया, हनुमानगढ़ी गोपीगंज, चकवा हनुमान मंदिर ज्ञानपुर पर पाठ किया जाएगा।

महर्षि बाल्मीकि जयंती के अवसर पर भगवान राम, हनुमान से जुड़े धार्मिक स्थलों पर भी विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को अपने धर्म संस्कृति से अवगत कराना है। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयोजित होंगे। महर्षि

बाल्मीकि जयंती पर दीपदान भी आयोजित करने को कहा गया है। बाल्मीकि रामायण का पाठ 8, 12, 24 और घंटे तक आयोजित होगा। महर्षि बाल्मीकि से जुड़े स्थलों पर विशेष आयोजन के निर्देश दिए गए हैं।

शासन के निर्देश के अनुसार इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल्मीकि रामायण में चिन्हित मानवता , समाजिकता व राष्ट्र मूल्यों का प्रचार प्रसार मुख्य है। मंदिरों पर दीप प्रज्ज्वलन, दीप दान और लोकगायन का भी कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी अपर जिलाधिकारी के अलावा सात मंदिरों पर अधिकारियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा आचार्यों को भी सभी मंदिरों के लिए नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम की वीडियो और फोटोग्राफी करा कर सांस्कृतिक मंत्रालय के मेल पर भेजना का निर्देश दिया गया है। योगी सरकार का अबतक की सरकारों में यह अलग तरह का आदेश है। अब सरकार इसके ज़रिए क्या जताना चाहती है यह अलग बात है।

बुन्देलखण्ड क्षेत्र, विन्ध्य क्षेत्र के गांवों में पहुंचेगा पानी, सरकार ने बनाया प्लान

लखनऊ/ दिल्ली, 30 अक्टूबर। मंत्रिपरिषद ने 'जल जीवन मिशन' के अन्तर्गत प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र, विन्ध्य क्षेत्र तथा गुणता प्रभावित ग्रामों में पेयजल योजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में प्रस्तुत प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

बुन्देलखण्ड/विन्ध्य क्षेत्र विभिन्न जनपदों के ग्रामों में पेयजल आपूर्ति हेतु परियोजना के निर्माण के निमित्त कार्यदायी फर्मों के माध्यम से आगणनों का विरचन कराया गया। विरचित आगणनों की परियोजनाओं में से 200 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 21 परियोजनाओं पर मंत्रिपरिषद का अनुमोदन पूर्व में प्राप्त किया जा चुका है, जिनमें अग्रेतर कार्यवाही गतिमान हैं।

सम्प्रति व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमोदित 200 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 03 अन्य परियोजनाओं को मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदन प्राप्त किया गया है। यह परियोजनाएं जनपद जालौन के विकासखण्ड कोंच एवं डकोर स्थित सला ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना (व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमोदित लागत 53479.40 लाख रुपये), जनपद सोनभद्र के विकासखण्ड घोरावल एवं राबर्ट्सगंज स्थित पटवध तथा पटवध2 ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना (व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमोदित लागत 86835.57 लाख रुपये) तथा जनपद सोनभद्र के विकासखण्ड चोपन स्थित कदरा, नेवारी एवं हर्रा ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना (व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमोदित लागत 23198.95 लाख रुपये) है। इन पाइप पेयजल योजनाओं से क्रमशः 225, 661 तथा 67 राजस्व ग्राम आच्छादित होंगे।

जल जीवन मिशन के अन्तर्गत प्रथमतः बुन्देलखण्ड और विन्ध्य क्षेत्र की समस्त आबादी तथा आर्सेनिक/फ्लोराइड एवं जापानी इंसेफ्लाइटिस (जे0ई0)/एक्यूट इंसेफ्लाइटिस सिण्ड्रोम (ए0ई0एस0) से ग्रस्त समस्त आबादी को चरणबद्ध रूप से शुद्ध पाइप पेयजल परियोजना से आच्छादित किया जा रहा है।

निकिता के परिजनों से मिलने विहिप नेता आलोक कुमार पहुंचे बल्लभगढ़

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

बल्लभगढ़, अक्तूबर 30, । विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के केन्द्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार, एडवोकेट आज प्रात- हरियाणा के बल्लभगढ़ में निकिता के परिवार से मिले और उन्हें सांत्वना दी। यह बहुत ही कारुणिक दृश्य था। एक प्रतिभावान और आसमान छूने की उमंग रखने वाली लड़की इस्लामिक जिहादियों के हाथों मार दी गई। इस पर धैर्य करना कठिन ही है। इस अवसर पर निकिता के परिजन और अन्य नजदीकी रिस्तेदार भी थे।

घर से बाहर निकल कर पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि इस्लामोफासिस्ट जिहादियों की कार्यवाहियों से विश्वभर में सभ्य समाज की अभिव्यक्ति की आजादी, मानव की गरिमा और जीवन संकट में आ रहे है। सबको इसका मिलकर मुकाबला करना होगा।

क्षेत्र में बढ़ती लवजिहाद धर्मांतरण तथा हिन्दू उत्पीड़न की घटनाएं बेहद चिंतनीय हैं। आखिर कितनी बेटियाँ इन हिन्दू द्रोही जिहादी मानसिकता की शिकार होती रहेंगी? उन्होंने मांग की कि बेटी के परिजनों

को एक करोड़ का मुआवजा सरकार तुरंत दे तथा लवजिहाद व जबरन या छल पूर्वक धर्मांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध हेतु सरकार एक कठोर कानून बनाए।

न्याय के अवरोधों को दूर करने हेतु विहिप कार्याध्यक्ष ने कहा कि हमारी मांगों को मानते हुए राज्य सरकार ने फास्ट्रेक कोर्ट का गठन, 30 दिन में सभी दोषियों के विरुद्ध चालान तथा प्रतिदिन सुनवाई की बातें स्वीकार लीं हैं। विश्व हिन्दू परिषद् भी इन सबकी निगरानी करेगा कि न्याय में कोई विलंब या अवरोध ना आने पाए। आलोक कुमार ने यह भी कहा कि हरियाणा, खासकर मेवात और उससे जुड़े क्षेत्र, में लगातार हो रही हिन्दू विरोधी व राष्ट्र विरोधी घटनाओं तथा इस प्रकार के हमलों की पुनरावृत्ति रोकने हेतु भी सरकार को कड़े कदम उठाने होंगे।

भदोही में गोहत्या के आरोपित चार को भेजा गया जेल

भदोही, 30 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के भदोही के ऊंज थाना क्षेत्र के बनकट गाँव में गो हत्या का प्रकरण आते ही लोगों में आक्रोश फैल गया। जिसके बाद कई हिंदूवादी संगठन घटना स्थल पर पहुँच कर विरोध जताया। घटना की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को गोवध अधिनियम में जेल भेज दिया। घटना गुरुवार रात की है। भदोही जिले के ऊंज थाने के बनकट गाँव में सुबह गोकशी की घटना से ग्रामीणों में उबाल बढ़ गया। घटना की ख़बर पर विहिप, बजरंगदल और भाजपा समेत दूसरे संगठन लामबंद होने लगे।

घटना की तीखी आलोचना और हत्यारों के गिरफ्तारी की माँग उठने लगी। बाद में पुलिस ने विजय कुमार सरोज की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर चार आरोपितों को गिरफ्तार कर गोवध निवारण अधिनियम में जेल भेज दिया।

मोक्षद्वार इंटर कालेज में आयोजित हुआ भाजपा का दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण कार्यक्रम

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । बिशेश्वर गंज भाजपा द्वारा शीर्ष नेतृत्व के दिशा निर्देश पर दिनांक 30 अक्टूबर एवं 31 अक्टूबर 2020 को दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विधानसभा पयागपुर के मंडल धनुही अंतर्गत मोक्षद्वार इंटर कालेज कुरसहा में आयोजित किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष राजकुमार शुक्ल व संचालन मंडल महामंत्री प्रमोद शुक्ला ने किया । शुभारंभ के पहले चरण में मुख्य अतिथि महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष डॉ0 प्रज्ञा त्रिपाठी ने डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया । मुख्यातिथि ने उपस्थित लोगों के बीच प्रशिक्षण देते हुए अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री जी 2014 से ही देश की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है, देश की सुरक्षा संबंधी व्यवस्था , यंत्र का हम 80 प्रतिशत आयात करते है जो किसी हाल में सही नही है , हमे आत्मनिर्भर बनकर देश हित मे सोचना होगा ।

पंजाब सरकार की बस ऑपरेटरों को बड़ी राहत 100 प्रतिशत कर माफी 31 दिसंबर तक बढ़ाई

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने राज्य के बस ऑपरेटरों को शुक्रवार को एक बड़ी राहत देते हुए सभी स्टेज कैरिज, मिनी और स्कूल बसों के लिए मोटर व्हीकल कर पर 100 प्रतिशत कर (टैक्स) माफी 31 दिसंबर तक बढ़ा दी है। इसके साथ ही करों के बकाए, ब्याज और जुर्माने के बिना की अदायगी 31 मार्च, 2021 तक आगे डाल दी गई है। एक सरकारी प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस कदम से परिवहन क्षेत्र को 100 करोड़ रुपए का कुल वित्तीय लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने परिवहन मंत्री रज़िया सुल्ताना को यह भी निर्देश दिए हैं कि मिनी प्राईवेट बस मालिकों को पेश मुद्दे अगले हफ्ते तक निपटा दिए जाएं। मुख्यमंत्री द्वारा इन फ़ैसलों और दिशानिर्देशों का एलान राज्य की विभिन्न प्राईवेट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशनों के साथ एक वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के

दौरान किया गया। इस मौके पर परिवहन मंत्री रज़िया सुल्ताना के अलावा वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल और परिवहन विभाग के सचिव के. शिवा प्रसाद भी हाजिऱ थे। हालांकि परिवहन विभाग द्वारा पहले 31 दिसंबर तक 50 प्रतिशत तक ही कर माफी का सुझाव दिया गया था, परन्तु मुख्यमंत्री ट्रांसपोर्टरों की चिंताओं को मुख्य रखते हुए विभाग के सुझाव से आगे बढ़ते हुए 100 प्रतिशत राहत का एलान कर दिया। ध्यान देने योग्य है कि पहले राज्य सरकार द्वारा ट्रांसपोर्टरों को दो महीनों के लिए 30 सितम्बर तक 100 प्रतिशत राहत दी गई थी। मुख्यमंत्री ने ट्रांसपोर्टरों को पेश आ रही मुश्किलों का नोटिस लिया, जिन्होंने अपना पक्ष सामने रखते हुए इस बात की तरफ ध्यान दिलाया कि जबकि 10 प्रतिशत से भी कम लोग बस सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं तो इस सूरत में उनके लिए अपने वाहन चलाने के लिए डीज़ल की लागत पूरी करनी भी मुश्किल हो रही है।

शुकदेव आश्रम स्वामी कल्याण देव सेवा ट्रस्ट शुक्रताल, मुजफ्फरनगर को लीज पर दी गयी 5 एकड़

लखनऊ/ दिल्ली, 30 अक्टूबर। मंत्रिपरिषद ने शुकदेव आश्रम स्वामी कल्याण देव सेवा ट्रस्ट, शुक्रताल, मुजफ्फरनगर को लीज पर दी गयी 05 एकड़ (2.0243 हे0) वन भूमि के आगामी 30 वर्षों हेतु लीज नवीनीकरण की अनुमति विषयक प्रस्ताव राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड की स्थायी समिति के विचारार्थ/अनुमोदनार्थ भारत सरकार को प्रेषित किये जाने के प्रस्ताव को अनुमति प्रदान कर दी है। जनपद मुजफ्फरनगर में शुक्रताल एक धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व का ग्राम हैं। इसी स्थान पर स्थित शुकदेव आश्रम (जनपद मुजफ्फरनगर में शुकदेव आश्रम स्वामी कल्याण देव सेवा ट्रस्ट) में लगातार भागवत कथाएं होती रहती हैं, जिसमें देश विदेश से लाखों श्रद्धालु आते हैं एवं रात्रि स्थगन करते हैं। ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क विद्यालय, छात्रावास एवं निःशुल्क चिकित्सालय भी स्थापित एवं संचालित है। इस संस्था को बागवानी, वृक्षारोपण एवं गौ गृह निर्माण हेतु ग्रामशुकताल बांगर स्थित 05 एकड़ (2.0243 हे0) वन भूमि 30 वर्षों के लिए इस शर्त पर दी गयी कि उतनी ही अवधि के लिए पट्टे कर 02 बार नवीनीकरण किया जाएगा।

प्रश्नगत संस्था को लीज पर दी गयी 05 एकड़ भूमि के द्वितीय लीज नवीनीकरण हेतु उ0प्र0 शासन द्वारा संस्तुति पत्र सं05791/14293 187/1953 दिनांक 01.10.1993 भारत सरकार को भेजा गया, जिस पर अन्तिम निर्णय भारत सरकार से प्राप्त नहीं हुआ है। भारत सरकार को प्रेषित इस प्रस्ताव में प्रश्नगत 05 एकड़ वन भूमि संरक्षित क्षेत्र में थी। संरक्षित क्षेत्र के अन्तर्गत अवस्थित इस वन भूमि के लीज नवीनीकरण हेतु वन अधिनियम1980 के तहत स्वीकृति के अतिरिक्त राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड से अनुमोदन प्राप्त करने की व्यवस्था तत्समय लागू नहीं हुई थी।

जम्मू-कश्मीर-लद्दाख को नक्शे में गलत दिखाया सऊदी अरब से भारत ने जताया कड़ा एतराज

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर । सऊदी अरब के बैंक नोट पर भारत की सीमाओं को गलत रूप से दिखाने पर भारत ने एतराज जताया है। नोट पर प्रिंट किए गए इस नक्शे में जम्मू कश्मीर और लेह को भारतीय इलाके में नहीं दिखाया गया था।

सऊदी अरब ने पिछले हफ्ते बैंक नोट जारी किया था। भारत ने अपनी सीमाओं के गलत चित्रण पर खाड़ी देश को अपनी चिंता से अवगत करा दिया है। भारत ने कहा है कि इसे ठीक करने के लिए त्वरित कदम उठाया जाए। यह जानकारी बृहस्पतिवार को विदेश मंत्रालय ने दी।

नए 20 रियाल के नोट पर प्रिंट किए गए वैश्विक मानचित्र में जम्मू कश्मीर और लेह को भारत के हिस्से के रूप में नहीं दिखाया गया है। जी20 समूह की सऊदी अरब की ओर से अध्यक्षता किए जाने के मौके पर इसे जारी किया गया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि भारत ने सऊदी अरब से कहा है कि मामले में त्वरित सही कदम उठाए जाएं। हमने कहा कि जम्मूकश्मीर और लद्दाख का पूरा हिस्सा भारत का अभिन्न अंग है।

श्रीवास्तव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'आप जिस बैंक नोट का जिक्र कर रहे हैं उसे हमने देखा है, जिसमें

भारत की सीमाओं का गलत चित्रण किया गया है। नोट को सऊदी अरब की मॉनिटरी अथॉरिटी ने 24 अक्टूबर को सऊदी द्वारा जी20 की अध्यक्षता करने के अवसर पर जारी किया था।'

उन्होंने कहा, 'हमने सऊदी अरब को नई दिल्ली में उनके राजदूत के माध्यम से और रियाद में भी अपनी गंभीर चिंता से अवगत करा दिया है और सऊदी अरब से कहा है कि इस बारे में जल्द सही कदम उठाए।' श्रीवास्तव ने कहा, 'मैं फिर एक बार कहना चाहूंगा कि संघ शासित जम्मू कश्मीर और लद्दाख का संपूर्ण हिस्सा भारत का अभिन्न हिस्सा है।' खबरों के मुताबिक, मानचित्र में गिलगिट बाल्टिस्तान सहित पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं दिखाया गया है। पाकिस्तान, सऊदी अरब को अपना महत्वपूर्ण सहयोगी मानता है और पाकिस्तान के मानचित्र से पीओके को हटाए जाने को इस्लामाबाद में झटके के रूप में देखा जा रहा है।

वाराणसी में पीएम मोदी के नाम से फर्जीवाड़ा, 3 गिरफ्तार

ट्रस्ट बनाकर करते थे लोगों से लाखों की ठगी, फर्जी ट्रस्टियों में 2 महिलाएं भी शामिल

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक के बाद एक ठगी के सनसनीखेज मामले सामने आ रहे है। हाल यह है कि ठगों का कोई गैंग 'ट्रस्ट फंड लोन स्कीम' के नाम पर तो कोई आवास व मुद्रा लोन के नाम पर भोलेभाले लोगों को टारगेट कर रहा है। शहर में हर रोज कोई न कोई व्यक्ति साइबर ठगों के मकड़जाल में फंस रहा है। लेकिन हद तो तब हो गयी जब हौसलाबुलंद ठगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर ही जन कल्याणकारी ट्रस्ट बनाकर करोड़ों रुपये की ठगी करने का ताना बाना बुन डाला। हालांकि समय रहते सूचना मिलने पर प्रशासन ने इस फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए कैंट थाने में 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराई है। मुकदमा दर्ज कर पुलिस चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

उप निबंधक सदर द्वितीय हरीश चतुर्वेदी ने बताया कि उन्हें शिकायत मिली कि दुर्गाकुंड क्षेत्र के कबीर नगर निवासी अजय पांडेय ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से 14 जुलाई को फर्जी ट्रस्ट पंजीकृत कराया है। इस फर्जी ट्रस्ट के जरिए ये लोग पीएम मोदी के नाम पर वाराणसी के लोगों से ठगी

कर रहे थे। इन लोगों ने कई सम्मानित लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाया है। आरोप है कि इन लोगों ने कई लोगों से लाखों रुपये उगाही की है। इनके द्वारा फर्जीवाड़ा लंबे समय से किया जा रहा है। शिकायत के आधार पर जब उन्होंने कागजातों की जांच की तो अजय का फर्जीवाड़ा उजागर हो गया। इस ट्रस्ट के ट्रस्टी 10 लोग हैं। यह सभी प्रधानमंत्री के नाम से ट्रस्ट बनाकर समाज के सम्मानित लोगों से ठगी कर रहे हैं। इसलिए सभी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया गया है। जिनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है उनमें अजय पांडेय के अलावा वाराणसी का प्रदीप कुमार सिंह, नवलपुर बसही का सोनू कुमार गुप्ता, महागांव गरथमा का विकास मिश्रा, सरसौली कैंट की प्रिया श्रीवास्तव, हुकुलगंज कैंट का अनिल, अनेई की रंजीता सिंह, अर्दली बाजार का शाहबाज खान, बलिया जिले के बैरिया का रवींद्रनाथ पांडेय और बलिया के बेलहरी का अविनाश सिंह शामिल है।

इस संबंध में इंस्पेक्टर कैंट राकेश कुमार सिंह ने बताया कि सभी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत कई अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है। उन्होंने बताया कि जल्दी ही साजिश में शामिल और लोगों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। ये लोग प्रधानमंत्री की लेटरपैड से लेकर मोहर भी रखते थे। लोगों को पत्र देकर उनसे चंदा लेने से लेकर लोन के नाम पर लोगों के साथ धोखाधड़ी करने के लिए पूरा सिस्टम खड़ा की थी। कई लोगों से तो युनिवर्सिटी, अस्पताल आदि बनाने के नाम पर चंदा ले रखा है। लेटरपैड पर मीनी पीएमओं रवीन्द्रपुरी से लेकर दिल्ली पीएमओं तक के पते अंकित है। इसके अलावा इन लोगों का आधार कार्ड से लेकर आईडी प्रूफ बनाने और मनी ट्रांसफर कराने तक के लिए ग्राहक सेवा केंद्र की ऐंजेंसी देने के नाम पर गोरखधंधा चल रहा था। एसएसपी अमित पाठक का कहना है कि जालसाजों पर गैंगस्टर लगाया जाएगा।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारी:
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व ई–4/168, गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

वूमेन एक्सप्रेस

एक नजर

आंध्र प्रदेश में सड़क हादसे में सात मरे, 15 घायल

काकीनाड़ा । आंध्र प्रदेश में पूर्वी गोदावरी जिले के राजामुंदरी से 45 किलोमीटर दूर गोकावरम मंडल की थांतिकोंडा पहाड़ी से शुक्रवार तड़के एक वैन के पलटने से सात लोगों की मौत हो गयी और अन्य 15 घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार थांतिकोंडा पहाड़ी पर स्थित कल्याण वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में एक विवाह समारोह में शामिल होकर लोग वैन से घर लौट रहे थे। ब्रेक फेल होने से वैन पहाड़ी से पलट गयी। इस हादसे में सात लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गयी और 15 अन्य घायल हो गयी जिनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस ने बताया पांच घायलों को राजामुंदरी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां दो की हालत गंभीर बनी हुई है। जबकि अन्य घायलों को गोकावरम सरकारी अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्रारंभिक रिपोर्ट में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जतायी गई है। मृतकों की पहचान याला श्रीदेवी (35), याला नागा श्रीलक्ष्मी (10) कम्भाला भानू (35), सिंहाद्री प्रसाद (25), पी नरसिम्हम (34), सी हेमा श्रीलता (12) और एस गोपालकृष्णना (72) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गोकावरम के उपनिरीक्षक, कोरुकोंडा के निरीक्षक, राजामुंद्री शहर के उत्तरी क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक मौके पर पहुंच गये हैं।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए कोटा को मंजूरी दी

चेन्नई । तमिलनाडु के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने आखिरकार सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए कोटा को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। इससे पहले उन्होंने कहा था कि उन्हें सरकारी छात्रों के लिए आरक्षण विधेयक का अध्ययन करने के लिए लगभग तीन सप्ताह का समय चाहिए होगा। तमिलनाडु सरकार द्वारा अंडरग्रेजुएट मेडिकल एडमिशन में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के लिए एक सरकारी आदेश जारी करने के एक दिन बाद उन्होंने सहमति दे दी। एक बयान में, गवर्नर कार्यालय में अतिरिक्त निदेशक (जनसंपर्क) ने शुक्रवार को कहा कि पुरोहित ने तमलिनाडु में सरकारी स्कूलों के छात्र बिल, 2020 के अधिमान्य आधार पर चिकित्सा, दंत चिकित्सा, भारतीय चिकित्सा और होम्योपैथी में अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रमों में प्रवेश की स्वीकृति दी है। बयान के अनुसार, पुरोहित ने 26 सितंबर को भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कानूनी राय मांगी थी। मेहता की कानूनी राय 29 अक्टूबर को प्राप्त हुई थी। मेहता ने अपनी राय में कहा है कि तमिलनाडु विधेयक भारत के संविधान के अनुरूप है।

शाहजहांपुर में मासूम के साथ दरिंदगी

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर के खुदागंज क्षेत्र में एक वहशी युवक ने कुकर्म के प्रयास में मासूम के साथ दरिंदगी की। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि राजपाल प्रजापति की पुत्री अपने घर से महज 500 मीटर की दूरी पर खेत पर सिला बीनने गई थी कि इसी दौरान खेत में छिपे बैठे अमित ने बालिका को गन्ना खिलाने के बहाने बुलाया और मना करने पर जबरन खेत में खींच लिया। युवक ने सात वर्षीया बालिका के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया और शोर मचाने पर उसके मुंह में गन्ना ठुस दिया तथा उसके गुप्तांग को भी गन्ने से क्षतिग्रस्त किया गया। बालिका की चीख पुकार सुनकर पड़ोस के खेत में काम कर रही उसकी बहन और मां पहुंच गयी लेकिन इस बीच आरोपी गन्ने की झाड़ी का फायदा उठाकर फरार हो गया। लड़की ने आपबीती मां को बतलाई। वहीं अपनी मां को दवा दिलाने खुदागंज आए रामपाल प्रजापति गांव की ओर जा रहे थे तो उन्हें रास्ते में उनकी पत्नी तथा पुत्री ने मिलकर घटना की जानकारी दी। पीड़िता का पिता थाना खुदागंज पहुंचा उसने आपबीती सुनायी। पुलिस ने आधे घंटे के भीतर आरोपी को धर दबोचा। पकड़ा गया आरोपी नाबालिग बताया जा रहा है जिस पर धारा 376 पास्को 34 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

भाजपा पंजाब में 117 सीटों पर लड़ेगी विधानसभा चुनाव

दिल्ली में पंजाब भाजपा कोर कमेटी की बैठक में लिया गया फैसला

■ भाजपा अध्यक्ष जेपी नडडा की अगुवाई में हुई हाईलेवल बैठक

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर । भारतीय जनता पार्टी पंजाब में फरवरी 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को अकेले अपने दम पर लड़ेगी। इसके लिए पार्टी राज्य की सभी 117 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। पार्टी अपनी जमीन तैयार करने के लिए बृहद रूप में मैदान में उतरेगी।

इसके लिए पंजाब में पार्टी को नंबरवन बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो अगले एक साल में पूरा हो जाएगा। पंजाब में कृषि बिलों को लेकर बिगड़े हालात के बीच भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने यह अहम फैसला लिया है। इसके लिए केंद्रीय हाईकमान ने पंजाब कोर कमेटी की हाईलेवल बैठक बुलाई। दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय में हुई कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता खुद जगत प्रकाश नड्ड़ा ने की। उनके साथ राष्टीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष एवं राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुग भी मौजूद रहे। इस मौके पर फैसला लिया गया कि भाजपा पंजाब में नंबर वन के शिखर पर पहुंचने के लिए तेजी से काम करेगी। पार्टी के वरिष्ठ नेता गांवगांव और प्रत्येक बूथ पर भाजपा की जमीन मजबूत करेंगे। साथ ही कृषि बिलों को लेकर जिन गांवों में ज्यादा रोष देखा जा रहा है, वहां उन्हें समझाने का काम भी पार्टी के पदाधिकारी करेंगे। यह काम अगले एक साल में किया जाना है। सूत्रों के मुताबिक इस मौके पर पंजाब में आगे की क्या और कैसे रणनीति रहेगी,

उसपर गहन मंथन भी किया गया। 2 घंटे से अधिक चली कोर कमेटी की बैठक में कुल 15 लोग शामिल थे, जिसमें से 13 सदस्य पंजाब के और 2 सदस्य मुख्यालय से थे। इस मौके पर चर्चा हुई कि विधानसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सिख चेहरों एवं नये चेहरों, अच्छी छवि वाले युवाओं को मौका दिया जाएगा। इसके अलावा दूसरी पार्टियों (कांग्रेस, आप, अकाली दल) से आने वाले नेताओं की लंबी कतार लगी है, उन्हें भी पार्टी में शामिल कराया जाएगा। इसमें कई चौकाने वाले नाम भी होंगे। बैठक में पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, पूर्व अध्यक्ष विजय सांपला, दोनों महामंत्री सुभाष शर्मा एवं जीवन गुप्ता, वरिष्ठ नेता मदन मोहन मित्तल, केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश सहित सभी सदस्य मौजूद रहे। सूत्रों के मुताबिक बैठक में गुरू तेग बहादुर साहिब के 400 साला प्रकाश पर्व को पंजाब में बड़े स्तर पर मनाने का भी फैसला लिया गया है।

बता दें कि पिछले 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा अपनी पुरानी सहयोगी पार्टी शिरोमणि अकाली दल के साथ मिलकर चुनाव लड़ी थी। इसमें कांग्रेस पार्टी को 77 सीटें मिली थी। जबकि शिअदभाजपा गठबंधन तीसरे नंबर की पार्टी बनकर रह गई थी। दूसरे नंबर पर पहली बार चुनाव मैदान में उतरी आम आदमी पार्टी को 20 सीटें मिली थीं। शिरोमणि अकाली दल को 15 और भाजपा को मात्र 3 सीटें हासिल हुई थी। 2 सीट एलआईपी को मिली भी मिली थी। भाजपा पिछले चुनाव में 23 सीटों पर लड़ी थी। बाकी 94 सीटों पर अकाली दल लड़ता रहा है। सीटों को लेकर हर चुनाव में भाजपा और अकाली दल के बीच टकराव होता रहा है। लेकिन वर्तमान में अकाली दल भाजपा से रिश्ता तोड़ चुका है। कृषि बिलों को लेकर अकाली दल ने केंद्रीय मंत्रीमंडल के साथ एनडीए भी छोड़ दिया है। लिहाजा, अगला चुनाव दोनों दल अलगअलग लड़ेंगे, यह भी अब स्पष्ट हो गया। कोर कमेटी की बैठक में इन मुद्दों पर भी चर्चा हुई है।

बीजेपी कोर कमेटी में शामिल किए 3 सिख एवं किसान नेता

पंजाब भाजपा कोर कमेटी में पार्टी हाईकमान की सहमति के बाद तीन बड़े सिख चेहरों को शामिल किया गया है। इसमें राजिंदर मोहन छीना, विक्रमजीत सिंह चीमा, इकबाल सिंह लालपुरा (राष्ट्रीय प्रवक्ता) शामिल हैं। तीनों सरदार और किसान भी हैं। पंजाब में चूंकि किसानी मामला अहम रहता इसलिए इन चेहरों को खास अहमियत दी गई है। आगे आने वाले समय में पार्टी इनका किसानों को मनाने से लेकर विरोधियों से मोर्चा लेने में कर सकती है।

विन्ध्यांचल मंदिर में परिक्रमा के लिए बनेगा कोरिडोर

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/ दिल्ली, 30 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसमें जनपद मीरजापुर में विन्ध्यवासिनी मन्दिर (कॉरीडोर) परिक्रमा मार्ग हेतु परियोजना के क्रियान्वयन का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। मंत्रिपरिषद ने जनपद मीरजापुर में विन्ध्यवासिनी मन्दिर (कॉरीडोर) परिक्रमा मार्ग बनाये जाने हेतु परियोजना के क्रियान्वयन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। मंत्रिपरिषद द्वारा परियोजना की अग्रेत्तर कार्यवाही हेतु निर्णय लिए जाने के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया है। जनपद मीरजापुर स्थित आदि शक्ति माँ विन्ध्यवासिनी देवी मन्दिर एक अत्यन्त प्रसिद्ध श्रद्धा/आस्था का केन्द्र है। विन्ध्याचल स्थित मुख्य मन्दिर माँ विन्ध्यवासिनी धाम के चारों तरफ परम्परागत तौर पर श्रद्धालुओं द्वारा परिक्रमा की जाती है परन्तु मन्दिर परिसर में परिक्रमा मार्ग सीमित एवं

संकरा होने के कारण दुर्घटना की सम्भावना बनी रहती है। विन्ध्यवासिनी मन्दिर (कॉरीडोर) परिक्रमा मार्ग बन जाने से पर्यटक सुविधाओं में वृद्धि होगी तथा दुर्घटना की सम्भावना कम की जा सकेगी। विन्ध्यवासिनी मन्दिर कॉरीडोर बनाए जाने हेतु विन्ध्यवासिनी मन्दिर के आसपास चारों ओर 50 फीट चैड़ाई वाला परिक्रमा पथ बनाया जाएगा।

विन्ध्यधाम गंगा नदी के तट पर स्थित है जहां प्रधानमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना अर्थ गंगा के अन्तर्गत जलक्रीड़ा एवं साहसिक पर्यटन की अपार सम्भावनाएं विद्यमान हैं।

इसके साथ ही साथ विन्ध्याचल के समीप अनेक जल प्रपात यथा विन्डम फॉल, कुशेरा फॉल, टाडा फॉल आदि भी स्थित हैं, जहां पर ईको टूरिज्म की अत्यधिक सम्भावनाएं विद्यमान हैं। विन्ध्यधाम में पर्यटन सुविधाओं के विकास से यहां पर विभिन्न श्रेणी के पर्यटकों का आवागमन बढ़ेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के साथसाथ पूंजी निवेश में भी वृद्धि होगी।

'कृषि' भू-उपयोग की भूमि को 'औद्योगिक' भू-उपयोग में परिवर्तन शुल्क घटाया

लखनऊ/ दिल्ली, 30 अक्टूबर, मंत्रिपरिषद ने 'कृषि' भूउपयोग की भूमि को 'औद्योगिक' भूउपयोग में परिवर्तन हेतु शुल्क की दर को 35 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत किये जाने का निर्णय लिया है। इसके लिए उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास (भूउपयोग परिवर्तन शुल्क का निर्धारण, उद्ग्रहण एवं संग्रहण) नियमावली2014 में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गयी है।

यह निर्णय आदेश निर्गत होने के उपरान्त 'तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा। भूउपयोग परिवर्तन शुल्क में कमी होने से उद्यमी औद्योगिक विकास हेतु प्रोत्साहित होंगे। औद्योगिक समूह प्रदेश में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए आकर्षित होंगे। परिणाम स्वरूप में प्रदेश में औद्योगिक विकास और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। औद्योगिक इकाइयों की स्थापना से सम्बन्धित क्षेत्र में राजगोर के अवसरों में भी वृद्धि होगी।

भारतीय नौसेना ने दागी एंटी शिप मिसाइल, धू-धू कर जल उठा जहाज

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर । भारतीय नौसेना ने शुक्रवार को एंटी शिप मिसाइल दागी। नौसेना ने गाइडेड मिसाइल कार्वेट आईएनएस कोरा की मदद से इसे दागा। बंगाल की खाड़ी में भारतीय नौसेना ने अपना परीक्षण किया। यह मिसाइल सही सटीकता के साथ अधिकतम सीमा तक लक्ष्य को मारती है। एक सप्ताह में इस प्रकार का यह दूसरा परीक्षण है।

नौसेना ने एक बयान में कहा, 'भारतीय नौसेना के गाइडेड मिसाइल कोर्वेट आईएनएस कोरा द्वारा दागे गए एएसएचएम ने बंगाल की खाड़ी में सटीक निशाना लगाया। मिसाइल ने लक्ष्य किए गए जहाज को बुरी तरह से निशाना बनाया।'

मिसाइल का निशाना इतना सटीक था कि जिस जहाज पर इसे दागा गया था वह आग की लपटों घिर गया। भारतीय नौसेना ने इसकी तस्वीरें भी साझा की हैं। बता दें ठीक एक हफ्ते पहले भारत ने शुक्रवार को एंटी शिप मिसाइल (एएसएचएम) की सक्सेसफुल टेस्टिंग की थी. नौसेना के कॉर्वेट आईएनएस प्रबल

से मिसाइल को लॉन्च किया गया। इसका भारतीय नौसेना ने वीडियो शेयर किया था।

रविवार को ही नौसेना ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के नेवी प्रारूप का सफल परीक्षण किया था। इस मिसाइल को आईएनएस चेन्नई पोत से दागा गया था, इसने लक्ष्य को पूरी सटीकता से भेदा था। इससे पहले भारत ने सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस और एंटी रेडिएशन मिसाइल रूद्रम1 का सफल परीक्षण किया था। रूद्रम1 भारत का प्रथम स्वदेश विकसित एंटी रेडिएशन हथियार है। इसके अलावा भारत ने हाइपरसोनिक मिसाइल शौर्य, 30 सितंबर को ब्रह्मोस की सतह से सतह पर मार करने वाले प्रारुप का परीक्षण किया था।

भारत और नेपाल जल्द करें मतभेदों को दूरः विशेषज्ञ

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (वेबवार्ता)। भारत और नेपाल के बीच रोटीबेटी के संबंधों का हवाला देते हुए विशेषज्ञों ने दोनों देशों से सीमा विवाद सहित अन्य मतभेदों को बातचीत के जरिये जल्द दूर कर संबंधों में सकारात्मक बदलाव लाने को कहा है।

दोनों देशों के विशेषज्ञों ने 'नेपालभारत सामरिक समरूपताः साझेदारी को प्रगाढ बनाना' विषय पर एक सामाजिक संस्थान द्वारा यहां आयोजित एक वेबिनार में ये विचार व्यक्त किये। सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल शोकिन चैहान ने कहा कि भारत और नेपाल का इतिहास , भूगोल , संस्कृति और पानी एक समान है। सैन्य कूटनीति को द्विपक्षीय संबंधों की रीढ करार देते हुए उन्होंने कहा कि 1950 में कम्युनिस्ट चीन ने जब नेपाल की संप्रभुता पर निशाना साधते हुए उससे 'मेनलैंड'में शामिल होने के लिए कहा तो भारतीय सेना ने नेपाली सेना को पुनगर्ठित करने में मदद की थी। नेपाल दूतावास में रक्षा अताची रह चुके लेफ्टिनेंट जनरल चैहान ने कहा, 'आप भले ही किसी भी रूप में हैं दोनों देशों की सेनाओं के बीच एक ही भावना है।

नेपाल में एक लाख 28 हजार सैन्य पेंशनधारी हैं जो देश की आबादी का बड़ा हिस्सा है।' उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की आगामी नेपाल यात्रा का सभी को उत्सुकता से इंतजार है क्योंकि इससे दोनों देशों के बीच सैन्य संबंधों पर ध्यान केन्द्रीत होता है।

दोनों देशों की 'समान नियति' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि नेपाल को भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति संवेदनशील होने की जरूरत है और इन चिंताओं का समाधान किये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर यह कहना चाहिए, 'हम दोनों देशों को साथ रहने की जरूरत है।'

अब भारत में काम नहीं करेगा PUBG मोबाइल, नहीं खेल सकेंगे गेम

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच बढ़े तनाव को देखते हुए भारत सरकार ने सितंबर 2020 में अपनी तरफ से कड़ा कदम उठाते हुए पबजी समेत 118 मोबाइल एप्लीकेशन पर बैन लगा दिया था। इससे पहले जून में सरकार ने टिकटॉक, समेत 92 ऐप्स पर बैन लगा दिया था। इस बैन लिस्ट में मोबाइल के सबसे चर्चित गेम पबजी का भी नाम शामिल था। इसमें पबजी मोबाइल लाइट भी शामिल था।

बैन के बाद गूगल स्टोर से इस एप को हटा दिया गया था लेकिन इस गेम को वो लोग तब भी खेल रहे थे जिनके मोबाइल में वो पहले से ही इंस्टॉल था।

लेकिन कोई भी भी नया यूजर उसे डाउनलोड नहीं कर सकता था। लेकिनी अब पबजी मोबाइल ने उन लोगों के लिए भी पबजी बैन कर दिया है जो एप बैन के बाद भी इसे गेम खेल रहे थे। कंपनी ने 30 अक्टूबर से भारत में पूरी तरह काम करने का ऐलान कर दिया है। अपने फेसबुक अकाउंट पर पबजी मोबाइल ने लिखा कि 30 अक्टूबर, 2020 से टेंसेंट **Tencent** गेम्स द्वारा भारत में सभी यूजर्स के लिए पबजी मोबाइल नॉर्डिक मैप~ लिविक और पबजी मोबाइल लाइट के लिए सभी सेवाएं और एक्सेस बंद कर दी जाएंगी। बता दें भारत सरकार ने पबजी समेत चीन के 118 ऐप पर बैन लगा दिया था।

सरकार ने कहा था कि ये ऐप सुरक्षित नहीं हैं। इससे पहले इसी कारण से सरकार ने 59 चीनी ऐप्स बैन किये थे। हालांकि चीन को इससे बड़ा नुकसान हुआ है, जबकि एक रिपोर्ट की माने तो भारत में पबजी के यूजर काफी ज्यादा हैं। इतने ज्यादा कि ये ऐप प्ले स्टोर में हमेशा टॉप 5 में रही। 2020 के पहले हाफ में इस ऐप को 6 करोड़ लोगों ने डाउनलोड किया। इसी बदौलत ये ऐप दुनिया में सबसे ज्यादा प्रॉफिट कमाने वाला ऐप बना। अब जब इसका यूजर बेस कम होगा तो इसकी स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

विश्व बैंक सहायतित उप्र प्रो-पुअर पर्यटन विकास परियोजना के सुचारू संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव मंजूर

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/ दिल्ली, 30 अक्टूबर, मंत्रिपरिषद ने विश्व बैंक सहायतित उ0प्र0 प्रोपुअर पर्यटन विकास परियोजना के सुचारू संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। मंत्रिपरिषद द्वारा परियोजना में अग्रेतर संशोधन हेतु मुख्यमंत्री जी को अधिकृत किया गया है।

उ0प्र0 प्रोपुअर पर्यटन विकास परियोजना कुल 57.14 मिलियन यू0एस0 डॉलर (371.43 करोड़ रुपये) से संचालित की जाएगी, जिसमें 70 प्रतिशत विश्व बैंक द्वारा एवं 30 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

आगरा एवं मथुरा के कार्यों (कुल 167 करोड़ रुपये) के स्थान पर सारनाथ एवं कुशीनगर में नये कार्यों को कराया जाएगा। सारनाथ के कार्यों को वाराणसी विकास प्राधिकरण के द्वारा तथा कुशीनगर के कार्यों को गोरखपुर विकास प्राधिकरण के द्वारा कराये जाने हेतु उन्हें कार्यदायी संस्था नामित/अधिकृत किया गया है।

परियोजना के क्रियान्वयन से प्रस्तावित कार्य स्थलों पर पर्यटक सुविधाओं का विकास होगा तथा पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा एवं रोजगार के अवसर सृजित होंगे। साथ ही, स्थानीय स्तर पर प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और स्थानीय विकास भी होगा।

पर्यटन विकास के माध्यम से उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर स्थानीय रोजगार में वृद्धि करके स्थानीय लोगों के आर्थिक उन्नयन में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा विश्व बैंक की सहायता से 'उ0प्र0 प्रो पुअर पर्यटन विकास परियोजना' संचालित की जा रही है।

निकिता हत्याकांड़ः स्वामी रामदेव ने की हत्यारों को चौराहे पर फांसी देने की मांग

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । फरीदाबाद के बल्लभढ़ में हुए निकिता तोमर हत्याकांड़ को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में अब योग गुरु स्वामी रामदेव ने लव जिहाद के नाम पर देश मे हो रही नृशंस हत्याओं को शर्मनाक बताते हुए बल्लभगढ़ हत्याकांड के आरोपियों के लिए सार्वजनिक रूप से फांसी दिए जाने की सजा की मांग की जिससे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। स्वामी रामदेव ने कहा कि ऐसे जघन्य अपराधों से भारत व भारत माता कलंकित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जब तक दोषियों को चौराहों पर फांसी जैसी सजा नही दी जाएगी,तब तक सरे बाजार होने वाले ऐसे अपराध नही रूक पाएंगे। पतंजलि योगपीठ में एक धार्मिक आयोजन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार तथा राज्य सरकारों से लव जिहाद को लेकर कड़े कानून बनाने तथा अपराधियों से सख्ती से निपटने की भी मांग की। उन्होंने इस संबंध में इस्लामिक गुरूओं और

मौलवियों से भी लव जिहाद का खिलाफत करने को कहा ताकि समाज मे हो रहे जघन्य अपराधों को रोका जा सके। बता दें कि इस मामले में पुलिस ने अब तक मुख्य आरोपी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि घटना के वक्त दो ही आरोपी मौके पर मौजूद थे, लेकिन तीसरे आरोपी अजरुद्दीन ने मुख्य आरोपी तौसिफ को इस घटना को अंजाम देने के लिए हथियार उपलब्ध कराए थे, जिसके चलते उसे नूंह से गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल मुख्य आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मालूम हो कि छात्रा निकिता तोमर की हत्या आरोपी तौसीफ ने उस समय कर दी जब वो कॉलेज से परीक्षा देकर बाहर निकल रही थी। आरोपी तौसीफ लंबे समय से निकिता पर धर्म परिवर्तन कर शादी करने के लिए दबाव डाल रहा था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इससे पहले तौसीफ ने निकिता का अपहरण किया था, जिसके बाद ये मामला थाने में दर्ज हुआ।

नीतीश का तेजस्वी पर निशाना, बताया महिलाओं, पिछड़ों की उपेक्षा करने वाला

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को अपनी चुनावी सभाओं में महिलाओं एवं पिछड़े वर्ग को आगे बढ़ाने और उनके सशक्तीकरण के लिये उनकी सरकार द्वारा उठाये गए कदमों को गिनाया और उन पर 'विश्वास' रखने और विपक्ष की बातों से 'गुमराह' नहीं होने की अपील की। खगड़िया जिला और परबत्ता में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए नीतीश ने कहा, 'आज लोग बोल रहे हैं लेकिन पहले कितना बुरा हाल था महिलाओं का। पहले महिलाओं की उपेक्षा की जाती थी, किसी ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया।' लालू प्रसाद पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'अंदर (जेल) गए तो पत्नी को गद्दी पर बिठा दिया, लेकिन इसके अलावा महिलाओं के लिये कोई काम नहीं किया।' मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उन्हें काम करने का मौका मिला तब उन्होंने पंचायतों एवं शहरी निकायों में महिलाओं को आरक्षण दिया। इसके

अलावा अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिया। उन्होंने कहा कि अब पंचायतों एवं शहरी निकायों में महिलाओं एवं पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व काफी बढ़ गया है, उन्हें आगे बढ़ने का मौका मिला है और उनकी इज्जत बढ़ी है। उन्होंने कहा, 'अगर बिहार आगे बढ़ा है, तो उसका सबसे बड़ा कारण महिलाओं की सहभागिता है। महिलाओं को आगे बढ़ाना हमारी प्रतिबद्धता है।' नीतीश ने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि इसके लिये विश्व बैंक से कर्ज लेकर जीविका समूह का गठन किया गया और आज जीविका समूह का काफी विस्तार हुआ है। महिलाओं को जोड़ने का प्रयास करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य में लागू शराबबंदी का भी जिक्र किया। नीतीश ने कहा कि उनकी सरकार ने न्याय के साथ विकास सुनिश्चित किया और अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े, अतिपिछड़े, महादलितों सभी को आगे बढ़ाने का काम किया, जिन्हें पहले कोई पूछता नहीं था।

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार को राजद नीत विपक्षी गठबंधन से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में जद (यू) अपने पारंपरिक वोट बैंक अति पिछड़ा वर्ग के साथसाथ महिला मतदाताओं से भी आस लगाये हुए है। कुमार ने कहा, 'पहले शहरों में भी बिजली नहीं मिलती थी। हमने लालटेन के युग को खत्म कर हर घर में विकास की रोशनी पहुंचाई है।'